दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

हेमा मालिनी की खूबसूरती से नजरें ...8

बलरामपुर

मंगलवार, 02 जून 2026

वर्षः 05 अंक : 241 पृष्ठः 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

सूर्या चौहान हत्याकांड में असद मुठभेड़ के बाद अब उसके घर पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी

गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में सूर्या चौहान हत्याकांड ने जिस तरह पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था, उसी तरह इस मामले के मुख्य आरोपी असद के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद अब यह प्रकरण कानून, राजनीति और प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में आ गया है। रविवार तड़के खोड़ा और इंदिरापुरम पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में असद ढेर हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हुआ और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान करीब सात राउंड गोलियां चलीं और एक सिपाही भी घायल हुआ। सूर्या चौहान की निर्मम हत्या के बाद जहां पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा था, वहीं असद के मारे जाने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी और विभिन्न हिंदू संगठनों ने इसे अपराध के खिलाफ कठोर कार्रवाई बताते हुए उचित ठहराया है। दूसरी ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने मुठभेड़ पर सवाल उठाए हैं। इस बीच जांच में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी फरहान ने पुलिस पूछताछ में बताया कि बाइक चलाने को लेकर हुए विवाद के बाद असद ने अपने पिता नवाब और साथियों को पूरी बात बताई थी। इसके बाद सूर्या को सबक सिखाने की साजिश रची गई। नवनीत विहार की गली नंबर चार में सूर्या को घेर लिया

गया। आरोप है कि इसी दौरान असद के पिता नवाब ने उकसाते हुए कहा, ष्आज इसकी कहानी खत्म कर देते हैं।ष् इसके बाद असद ने सूर्या के पेट में चाकू घोंप दिया। गंभीर रूप से घायल सूर्या को आरोपी मृत समझकर फरार हो गए थे। पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि सूर्या और असद पहले से एक–दूसरे को जानते थे। बकरीद के दिन दोनों के बीच बाइक को लेकर विवाद हुआ था। बाद में सूर्या को कुर्बानी दिखाने के बहाने बुलाया गया और उस पर हमला कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक चाकू करीब चार इंच तक शरीर में धंस गया था। इस मामले में नवाब, आतिफ और फरहान को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य संदिग्धों से पूछताछ जारी है। मामले में एक और कोण तब सामने आया जब समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अमीक जामेई ने दावा किया कि सूर्या की दोस्ती असद की बहन से थी और यही विवाद की जड़ बना। उन्होंने कहा कि दोनों परिवारों के बीच पहले से तनाव था और इसी कारण असद का परिवार मोहल्ला बदलकर रहने लगा था, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ। उधर प्रशासन ने भी सख्त रुख अपना लिया है।

सीबीएसई ओएसएम स्कैमरू सिस्टम में सेंध का आरोप, जयराम रमेश ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने 1 जून को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने स्वीकार किया है कि उसकी ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली में सुरक्षा खामी आई है। सीबीएसई ने घोषणा की कि वह ऑनमार्क पोर्टल में खामियों की निगरानी कर रहा है और सिस्टम को मजबूत करने के लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की एक टीम तैनात की है। ग पर एक पोस्ट में, रमेश ने अगस्त 2025 में जारी किए गए प्रस्ताव अनुरोध (त्थ्) में अनियमितताओं को उजागर किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा इस मामले को संभालने के तरीके पर सवाल उठाते हुए उन्हें अहंकार और अक्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने सरकार पर ऑनमार्क पोर्टल को सहायता प्रदान करने वाली कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक को संरक्षण देने का आरोप लगाया। रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की कांग्रेस पार्टी की मांग को दोहराते हुए कहा कि देश को कब तक मंत्री प्रधान को झेलना पड़ेगा, जिनके मंत्रालय ने निविदाओं में ऐसी अकल्पनीय अनियमितताओं को अंजाम दिया है, जिनकी वजह से लाखों छात्रों का मानसिक

सत्ता गंवाने के बाद टीएमसी में महा–विद्रोह

ममता बनर्जी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए दो विधायकों को निकाला, बंगाल की सियासत में हड़कंप!

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सत्ता से बाहर होने के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर सुलग रही असंतोष की आग अब खुलकर सामने आ गई है। पार्टी आलाकमान ने कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को

अपने दो मौजूदा विधायकोंकृ संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। इस बड़ी कार्रवाई ने उन अटकलों पर मुहर लगा दी है कि चुनाव में करारी हार के बाद पार्टी नेताओं और विधायकों का एक बड़ा धड़ा ममता बनर्जी के नेतृत्व से नाराज चल रहा है और तृणमूल के भीतर एक बड़ा बिखराव शुरू हो चुका है।

कालीघाट की आपात बैठक से बनाई दूरी, बयानों से बढ़ाई रारः टीएमसी द्वारा जारी एक आधिकारिक और सख्त बयान के अनुसार, इन दोनों विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की तात्कालिक वजह पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर रविवार को बुलाई गई एक महत्वपूर्ण आपातकालीन बैठक रही।

सत्ता से बेदखल होते ही बगावत के सुर तेज

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम बंगाल में हुए ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी की नई सरकार के गठन के बाद से ही तृणमूल के खेमे में भारी बेचैनी है। दस साल से अधिक समय तक सत्ता का सुख भोगने वाली पार्टी के विधायक अब विपक्ष में बैठने को तैयार नहीं हैं। अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी का निष्कासन तो सिर्फ एक शुरुआत हैय अंदर ही अंदर कई अन्य विधायक और वरिष्ठ नेता भी पाला बदलने या अपना नया रास्ता चुनने की तैयारी में हैं। ममता बनर्जी ने इन दोनों विधायकों पर गाज गिराकर बाकी असंतुष्टों को एक सख्त चेतावनी देने की कोशिश की है, लेकिन देखना यह होगा कि क्या यह कार्रवाई टीएमसी में मचने वाले संभावित महा–विद्रोह को रोक पाती है या नहीं।

8 लाख फॉलोअर्स, फिर भी कार का लालच? लखनऊ में इन्फ्लुएंसर पति पर पत्नी मानसी की हत्या का केस

लखनऊ में दहेज उत्पीड़न के एक कथित मामले में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मानसी अपने ससुराल में मृत पाई गई हैं। मानसी के परिवार का आरोप है कि उनके पति सागर राजपूत और ससुराल के अन्य सदस्यों ने कार की मांग पूरी न होने पर मानसी की हत्या कर दी। परिवार के मुताबिक, हत्या के बाद शव को फंदे से लटका दिया गया ताकि यह आत्महत्या जैसा नजर आए।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मिले मुख्यमंत्री हिमंत, विकास के मुद्दों पर हुई चर्चा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। शर्मा ने 12 मई को असम के मुख्यमंत्री पद की लगातार दूसरी बार शपथ ली थी जिसके बाद उपराष्ट्रपति के साथ यह उनकी पहली मुलाकात है। राधाकृष्णन ने सितंबर 2025 में उपराष्ट्रपति पद का कार्यभार संभाला था। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।'' शर्मा ने इससे पहले दिसंबर 2025 में उपराष्ट्रपति से मुलाकात की थी और उन्हें असम आने का न्योता दिया था। राधाकृष्णन ने इस साल मार्च में नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा का तीन दिवसीय दौरा किया गया था। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी सोमवार को उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत संधू को मार्च में दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया था।

सीएम योगी का गाजियाबाद सूर्य चौहान पर बड़ा बयान

नालायक औलाद को नहीं समझाया तो..

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सूर्य चौहान की हत्या पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी परिस्थिति में मित्रता या किसी भी व्यक्तिगत संबंध की आड़ में किए गए अपराधों को बर्दाश्त नहीं करेगी। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद में हुई हालिया घटना समाज के लिए बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर कोई व्यक्ति दोस्ती का ढोंग करते हुए किसी की जान लेता है, तो यह न केवल अपराध है, बल्कि विश्वासघात का कृत्य है। ऐसे मामलों में कानून अपना काम करेगा और दोषियों को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी।

अपने बयान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी दोहराया कि सरकार आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून का पालन करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि विकास और सुशासन के उद्देश्य से बनाई गई नीतियां बिना किसी भेदभाव के लागू की जा रही हैं, लेकिन अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

योगी ने आरोप लगाया कि पिछले दिनों बकरीद के अवसर पर इन मौलवियों और मौलानाओं के 'चेलेकृचपाटों' ने सोशल मीडिया पर गाय की तस्वीरें लगाकर बधाई दी। उन्होंने कहा, "गनीमत है कि सरकार पहले से ही कदम उठाती है, तभी पर्व और त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से हो पा रहे हैं।" योगी ने पिछले दिनों गाजियाबाद में एक युवक की उसके मुस्लिम दोस्त द्वारा कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या किए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि कैसी दोस्ती? आपने अभी गाजियाबाद में देखा होगा, दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी? यह स्वीकार नहीं है और कतई स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपनी नालायक औलाद को नहीं समझा रहा है तो वह गलती कर रहा है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि मैं यही कहने आया हूं कि हम सबको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं, लेकिन शस्त्र उठाना होगा, अगर सामने खर–दूषण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान कृष्ण ने भी कहा था परित्राणाय साधुनाम। यानी सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बनें, दुर्जनों के लिए नहीं। भगवान राम ने भी वही किया था। एक ही लक्ष्य था कि धरती को राक्षसों से विहीन कर देंगे, क्योंकि वे ऋषि–मुनियों, सामान्य नागरिकों और गरीबों की बहन–बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उनसे लड़ना होगा। उनसे निपटना होगा। देश के खिलाफ विद्रोह करने वालों के प्रति उतनी ही कठोरता के साथ, उतनी ही निर्ममता के साथ लड़ने के लिए तैयार होना होगा।

अमरनाथ यात्रा से पहले जम्मू में हाई–लेवल सुरक्षा व्यवस्था, चप्पे–चप्पे पर रहेगी पैनी नजर

अगले महीने शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के

मद्देनजर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस साल 57 दिनों की अमरनाथ तीर्थयात्रा 3 जुलाई को दो मार्गों, अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान–पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बाल्टल मार्ग से शुरू होगी। यह तीर्थयात्रा श्रावण मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन पर 28 अगस्त को समाप्त होगी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने भगवती नगर आधार शिविर का दौरा किया और पंजीकरण काउंटर, आरएफआईडी केंद्र, आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा सहित तैयारियों की समीक्षा की। कुमार ने कहा कि भगवती नगर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं जो वार्षिक यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मुख्य आधार शिविर के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा, ''इस निरीक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर तैयारियों की समीक्षा करना और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना था। पंजीकरण सुविधाओं, आरएफआईडी सेवाओं, स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वच्छता व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया।'' संभागीय आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यों को समय पर पूरा करने और तीर्थयात्रा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ चर्चा की गई। आईजीपी ने सुरक्षा बलों की तैनाती योजना की समीक्षा की और सभी ठहरने के केंद्रों पर उचित रोशनी की व्यवस्था और यात्रा के निर्धारित समय का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया।

बंगाल की सत्ता का महा–विस्तार!

सुवेंदु सरकार ने बुना मंत्रियों का चक्रव्यूह, 35 बीजेपी विधायकों ने ली शपथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सियासत में सोमवार को एक ऐतिहासिक और बेहद महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी कैबिनेट का पहला और सबसे बड़ा विस्तार कर दिया है। कोलकाता के राजभवन (लोक भवन) में आयोजित एक भव्य और हाई– प्रोफाइल शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी के 35 विधायकों ने मंत्री पद की गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल आर. एन. रवि ने सभी नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ ही सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के गढ़ों को ध्वस्त करने वाले अपने सबसे भरोसेमंद और आक्रामक

चेहरों को सरकार की कमान सौंप दी है। संवैधानिक सीमा और कैबिनेट का गणितः भारत के संविधान के अनुच्छेद 164(1।) के तहत किसी भी राज्य में मंत्रियों की कुल संख्या मुख्यमंत्री सहित वहां की विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इस नियम के अनुसार, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार को हुए 35 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद अब सुवेंदु कैबिनेट ने अपनी पूरी ताकत और आकार ले लिया है। इस विस्तार में कद्दावर नेताओं के साथ–साथ युवा और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों (डवै) को भी तरजीह दी गई है, जिनमें राजेश महता, इंद्रनील खान और मालती रावा रॉय शामिल हैं।

टीएमसी के दिग्गजों को धूल चटाने वाले चेहरे शामिल

इस कैबिनेट विस्तार की सबसे खास बात यह है कि इसमें उन चेहरों को इनाम दिया गया है जिन्होंने हालिया चुनावों में ममता बनर्जी की पार्टी (ज्डब्) के बड़े–बड़े किलों और रसूखदार नेताओं को भारी अंतर से शिकस्त दी थी। अर्जुन सिंह, तापस रॉय, स्वपन दासगुप्ता, शंकर घोष और पूर्व क्रिकेटर अशोक डिंडा जैसे कद्दावर नेताओं को कैबिनेट में शामिल कर मुख्यमंत्री ने साफ संदेश दे दिया है कि सरकार का रवैया बेहद आक्रामक और विकासोन्मुखी रहने वाला है।

सुवेंदु कैबिनेटः शपथ लेने वाले 23 प्रमुख मंत्रियों की पूरी लिस्टः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की कैबिनेट के इस मेगा विस्तार में कुल 35 मंत्रियों ने शपथ ली है, जिनमें से 23 प्रमुख मंत्रियों की सूची उनके निर्वाचन क्षेत्रों और चुनावी इतिहास के साथ बेहद प्रभावशाली है।

दिलीप घोष ने कल्याण बनर्जी पर हमले को बताया नाटक, कहा यह सब उन्हें शोभा नहीं देता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर किसी ने हमला नहीं किया। उन्होंने बनर्जी के आरोपों को नाटक करार देते हुए लोगों को सलाह दी कि वे उनकी बातों को गंभीरता से न लें। उन्होंने टीएमसी सांसद को सतर्क रहने और सदन से ष्बाहर न निकलने की सलाह भी दी, क्योंकि घोष ने कहा कि कल्याण बनर्जी और टीएमसी के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सबने देखा कि किसी ने उन्हें (कल्याण बनर्जी को) धक्का नहीं दिया और न ही उन पर हमला किया। हमने सदन में भी उनका नाटक देखा है और यहां भी हम इसे हर जगह देख रहे हैं। ऐसे व्यक्ति को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उन्होंने आगे कहा कि वे एक वरिष्ठ नेता और वकील रहे हैं, और उनके व्यवहार को लेकर हमेशा शिकायतें रही हैं।

उनके खिलाफ जनता में काफी आक्रोश है। उन्हें भी सतर्क रहना चाहिए और अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस तरह का नाटक उन्हें शोभा नहीं देता। कल्याण बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि चुनाव के बाद हुई हिंसा के संबंध में प्रतिनिधिमंडल सौंपने जाते समय हुगली जिले के चांदीतला पुलिस स्टेशन के पास उन पर हमला किया गया। इसे हत्या का प्रयास बताते हुए बनर्जी ने दावा किया कि हुगली जिले के चांदीतला पुलिस स्टेशन के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया। यह घटना दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने गए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के बाद घटी है। खबरों के अनुसार, बनर्जी पर ईंटों, पत्थरों और अंडों से हमला किया गया, जिससे उनकी आंख में चोट आई।

मध्य प्रदेश में यूसीसी लागू होगी, सीएम मोहन यादव ने जनता से मांगे सुझाव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य में जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी और उन्होंने नागरिकों से नवनिर्मित ऑनलाइन परामर्श पोर्टल के माध्यम से अपने विचार साझा करने का आग्रह किया। मीडिया को दिए एक बयान में यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित छह सदस्यीय समिति राज्य में यूसीसी के कार्यान्वयन पर धार्मिक नेताओं के मत एकत्र करेगी। मोहन यादव ने कहा कि आज के समय में धार्मिक, सामाजिक या पारिवारिक मतभेदों की कोई आवश्यकता नहीं हैय यूसीसी की ओर बढ़ने की आवश्यकता है, और मैं जनता से वेबसाइट पर अपने सुझाव साझा करने का आग्रह करता हूं।

बहराइच के रैंबो हॉस्पिटल में नवजात की मौत पर हंगामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच में स्थित रैंबो हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक नवजात की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिवार ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही और अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। परिजनों का आरोप है कि नवजात की मौत हो जाने के बावजूद अस्पताल कर्मियों ने करीब 6 घंटे तक इलाज जारी होने का दावा किया और इस दौरान इलाज के नाम पर मोटी रकम भी वसूली गई। बताया जा रहा है कि नवजात की डिलीवरी पहले सरकारी अस्पताल में हुई थी, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे निजी रैंबो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई, जिसके बाद परिवार का गुस्सा फूट पड़ा। घटना के बाद पिता अस्पताल के बाहर नवजात के शव को गोद में लेकर बैठा रहा और न्याय की मांग करता रहा। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बन गया। इस घटना के बाद अस्पताल की कार्यप्रणाली और निजी अस्पतालों की जवाबदेही को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

महिला चढ़ी टावर पर अधिकारियो से मोबाइल पर कहा अपनी परेशानी,काफी मुश्किल से गया उतारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में सोमवार को एक महिला अपने मासूम बच्चे को लेकर लगभग 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के रघुकुल विद्यापीठ सिविल लाइन परिसर की है। महिला टावर पर करीब 50 फीट की ऊंचाई पर बैठ गई है।घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और परिसर के आसपास भीड़ लग गई। मौके पर एएसपी पूर्वी अजीत कुमार रजक भी पुलिस बस के साथ पहुंचे। महिला अपने 3 साल के छोटे बच्चे को साथ लेकर टावर पर चढ़ी है। करीब दो घंटे से टावर पर बैठी है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला तरबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की है।सुबह करीब नौ बजे महिला रघुकुल विद्यापीठ स्कूल के दूसरे गेट से परिसर में दाखिल हुई।इसके बाद वह मोबाइल टावर तक पहुंची और अपने बच्चे को साड़ी के सहारे कमर से बांधकर धीरे–धीरे टावर

पर चढ़ गई। महिला टावर पर लगे लोहे के प्लेटफॉर्म पर जाकर बैठ गई।यह टावर जिलाधिकारी आवास से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित है।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने माइक से अनाउंस करके महिला को नीचे उतरने के लिए कहा।महिला ने टावर से ही फोन कर अपनी समस्या अधिकारियों को बताई। महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति के इकबाल के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था।महिला का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस अब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।इसी से परेशान होकर वह सुबह अपने छोटे बच्चे को साथ लेकर टावर पर चढ़ गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी आलोक कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विश्वामित्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार रजक, क्षेत्राधिकारी आनंद राय और नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

पत्रकार के सुपुत्र दिव्यांश ने एनडीए व आईआईटी में हासिल की कामयाबी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के करनैलगंज में प्रतिभा,परिश्रम और दृढ़ संकल्प का जब अद्भुत संगम होता है तो सफलता स्वयं कदम चूमती है। कर्नलगंज क्षेत्र के ग्राम कचनापुर के लिए गर्व और सम्मान का एक ऐतिहासिक क्षण सामने आया है। गांव निवासी, मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार एवं मां वाराही न्यूज़ के संपादक सुभाष सिंह के होनहार सुपुत्र दिव्यांश प्रताप सिंह ने एक साथ देश की दो

प्रतिष्ठित एवं कठिन परीक्षाओं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) तथा आईआईटी प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर परिवार, क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन किया है। दिव्यांश की इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल बना दिया है। जहां एक ओर उन्होंने एनडीए परीक्षा में सफलता हासिल कर भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा देने के अपने सपने को नई दिशा दी है, वहीं आईआईटी जैसी देश की सर्वोच्च तकनीकी संस्थाओं में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त कर अपनी असाधारण बौद्धिक क्षमता का परिचय भी दिया है।ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की दो अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में एक साथ सफलता अर्जित करना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं माना जाता। दिव्यांश की यह सफलता उनके अथक परिश्रम, अनुशासित जीवनशैली, सकारात्मक सोच और लक्ष्य के प्रति समर्पण का प्रतिफल है। उनकी उपलब्धि आज क्षेत्र के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है दिव्यांश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों तथा परिवार के सदस्यों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, आशीर्वाद और निरंतर प्रोत्साहन ने ही उन्हें यह मुकाम हासिल करने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास ही लक्ष्य तक पहुंचने का सबसे बड़ा माध्यम है। दिव्यांश की इस शानदार उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दिव्यांश प्रताप सिंह की यह दोहरी सफलता केवल एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि पूरे कर्नलगंज क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है, जिसने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि दृढ़ निश्चय और मेहनत के बल पर हर ऊंचाई को छू सकती है।

मानदेय वृद्धि समेत विभिन्न मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, एडीएम न्यायिक को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सोमवार को बलरामपुर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और एडीएम न्यायिक को ज्ञापन सौंपा। यूनियन पदाधिकारियों ने पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाने, सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान तथा अन्य लंबित मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने कहा कि वे ग्रामीण स्तर पर शासन की विभिन्न योजनाओं के संचालन और पंचायत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें मिलने वाला मानदेय वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। कर्मचारियों ने मानदेय वृद्धि के साथ सेवा सुरक्षा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई।यूनियन प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जा सकता है। एडीएम न्यायिक ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

सरकारी नाली की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। पयागपुर तहसील अंतर्गत ग्राम सभा हसुवापारा में गाटा संख्या 95, जो राजस्व अभिलेखों में सरकारी नाली के रूप में दर्ज है, पर अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि चन्द्र प्रकाश तिवारी पुत्र रामकुमार तिवारी द्वारा सरकारी जमीन पर घेराबंदी कर मड़हा रखकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने कई बार उप जिलाधिकारी कार्यालय पयागपुर व तहसीलदार कार्यालय पयागपुर में शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में लेखपाल द्वारा सीमांकन भी कराया जा चुका है, इसके

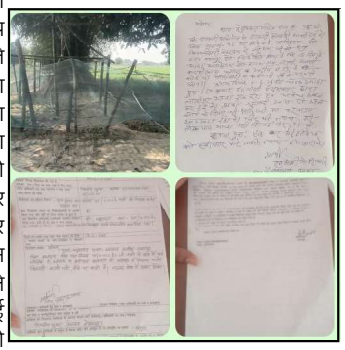

बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। बाद में शिकायत जिलाधिकारी कार्यालय बहराइच तक पहुंची, जहां से कई बार कब्जा हटाने के आदेश दिए गए। अधिकारियों की उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने सरकारी जमीन को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला अधिकारी के आदेशों का अवलोकन करने के बाद तहसीलदार पयागपुर ने वर्तमान लेखपाल ज्ञानेंद्र पांडे को निर्देश दिया है कि तत्काल प्रभाव से सरकारी जमीन जो राजस्व विभाग में नाली के रूप में दर्ज है जिसका गाटा संख्या 95 है उस पर से अभिलंब अतिक्रमण हटवा कर उसको मुक्त कराया जाए।

घर के सामने खेल रही मासूम को ट्रैक्टर ने कुचला हुई मौत गाँव में पसरा मातम

दैनिक बुद्ध का संदेश

ललिया/बलरामपुर। संवाददाता। ललिया थाना क्षेत्र के बहादुरगंज बाजार में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में चार वर्षीय बच्ची की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने ट्रैक्टर और चालक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बहादुरगंज बाजार निवासी डब्लू खान की चार वर्षीय पुत्री सायमा सोमवार सुबह करीब आठ बजे घर के

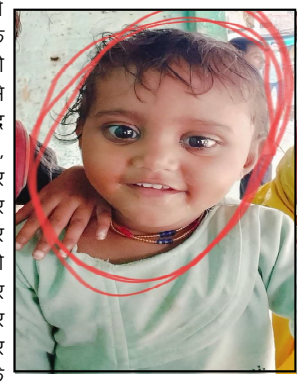

सामने खेल रही थी। इसी दौरान बाजार की ओर से आ रहे एक सोनालिका ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सक के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। मृतका के पिता डब्लू खान ने आरोप लगाया कि ट्रैक्टर चालक बदलू पुत्र बालकराम निवासी बेनीडीह वाहन चला रहा था। उनका कहना है कि उनकी पत्नी ने चालक को बच्ची के पास ट्रैक्टर न ले जाने की चेतावनी भी दी थी, लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया और ट्रैक्टर बच्ची के ऊपर चढ़ गया। आरोप है कि घटना के बाद चालक रुकने के बजाय भागने का प्रयास करने लगा। सूचना पर पहुंची ललिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर और चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मासूम की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

बलरामपुर जिले में बलरामपुर में और तुलसीपुर में स्वास्थ्य विभाग बना दलालों का अड्डा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र वासियों का ने लगाया आरोप कि जिला अस्पताल हो, या तुलसीपुर सीएससी हो बना दलाल वजह से नहीं चल पा रहा है, स्वास्थ्य विभाग क्षेत्र वासियों का कहना है, कि मुकेश कुमार रस्तोगी कम से कम 15 साल से एक ही कुर्सी पर विराजमान हैं, उत्तर प्रदेश माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से क्षेत्रवासी पूछना चाहते हैं, कि माननीय मुख्यमंत्री जी मुकेश रस्तोगी का यह बपौती कुर्सी है, तुलसीपुर के सीएससी का देखें, हाल आपको वीडियो में स्पष्ट दिखाई देगा की महिला का शौचालय का कंडीशन आप देख सकते हैं, अगर कोई महिला गर्भवती सीएससी तुलसीपुर में आती है, तो या कोई मरीज आता

है, तो यहां के डॉक्टर अधीक्षक महोदय बताते हैं, कि यहां कोई व्यवस्था नहीं है, इनको रेफर किया जाए रेफर के चक्कर में जो आबिद क्लिनिक चल रही है, उसी में भेजा जाता है, यह सारा खेल जिले पर बैठे स्वास्थ्य जिला अधिकारी मुकेश रस्तोगी के द्वारा होती है, बलरामपुर जिला को अपनी जागीर बन के रखे हैं, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी से यह निवेदन करते हैं कि अगर कोई पत्रकार इनके ऊपर उंगली उठाता है, तो उसके ऊपर कोर्ट केस हो जाता है, यहां तक पत्रकारों को जेल भी भेज दिया जाता है यह स्वास्थ्य विभाग में गुंडागर्दी चल रहा है, कि मरीजों को देखा जा रहा है, मरीज को आबिद क्लीनिक में भेज कर उनके प्रॉपर्टी और उनके धरा हुआ पैसे को नष्ट किया जा रहा है, और जान भी जोखिम में डाला जाता है, मैं एक सोशल वर्कर हूं, फिर भी स्वास्थ्य विभाग पर उंगली उठाने वाले को या तो जेल भेजा जाएगा या तो बलात्कार के केस में भेजा जाएगा या तो चोरी के केस में भेजा जाएगा तुलसीपुर का सीएससी का यह है, वारदात मुकेश कुमार रस्तोगी और कुछ कथा कथित अधिकारी और कुछ कथा कथित मेडिकल जो तुलसीपुर में संचालित हैं, यह सब मिलकर कोई अच्छा अधिकारी आता है, तो उसका साल भी नहीं रुकते है, और ट्रांसफर कर दिया जाता है, यहां घूसखोरी अधिकारी चाहिए सौम्या नायक का जो बात मानेगा वही तुलसीपुर में रह सकता है, सौम्या नायक काफी दबंग किस्म की है, यह किसी को कैसे में भेज सकती है, चाहे वह पत्रकार हो या कोई आम आदमी मुकेश रस्तोगी और सौम्या नायक डॉक्टर दोनों मिलकर मिलकर स्वास्थ्य विभाग को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है, ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के ऊपर माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी से निवेदन है, उत्तर प्रदेश शासन से कहना चाहते हैं कि यह खबर चलाने के बाद मे 2020 का के जैसा ही होगा, अगर ऐसा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन स्वास्थ्य विभाग जिला अधिकारी और सौम्या नायक इसकी पूरी जिम्मेदारी होगी, क्योंकि यहां के पत्रकार अगर सही लिखना चाहते हैं, तो उनके ऊपर कुछ ना कुछ कानून का कैसे लगेगा, जैसे की साबिर अली जैसे की रमेश पत्रकार आदि उत्तर प्रदेश के पत्रकार निपक्ष पत्रकारिता नहीं कर सकते पत्रकारों का मांग स्वास्थ्य विभाग पर कार्यवाही चाहते हैं, और मुकेश रस्तोगी को इस जिले से अलग करना चाहते हैं, कि उनके ऊपर सत्य सत्य कार्रवाई करके जांच किया जाए उत्तर प्रदेश सरकार से क्षेत्र वासियों का यह है, मांग।

डीएम ने जल जीवन मिशन योजनाओं का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित पाइप पेयजल परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विकास खंड बलरामपुर के ग्राम परसिया माफी, विकास खंड उतरौला के ग्राम बढ़या पकड़ी तथा विकास खंड रेहरा बाजार के ग्राम अचलपुर चौधरी में पहुंचकर परियोजनाओं की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओवरहेड टैंक एवं पंप हाउस का निरीक्षण किया तथा पंप संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता भी परखी तथा संबंधित अधिकारियों को परियोजनाओं के नियमित संचालन एवं रखरखाव के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामों का भ्रमण कर घर–घर लगाए

गए नल कनेक्शनों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आया है तथा पेयजल संबंधी समस्याओं से राहत मिली है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कों की मरम्मत कार्य का भी अवलोकन किया। मरम्मत कार्य पूर्ण एवं संतोषजनक पाया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंप हाउस का संचालन निर्धारित समयानुसार सुनिश्चित किया जाए, जिससे ग्रामीणों को सुविधाजनक रूप से पर्याप्त दबाव के साथ पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम के प्रत्येक घर एवं अंतिम छोर तक पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर उसका त्वरित निस्तारण किया जाए। इस दौरान अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण संदीप सिंह, कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

मृतक धनराज के परिजनों से मिला आरएसएस का प्रतिनिधि मंडल, विधायक ने दी दो लाख की आर्थिक सहायता

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र के अहिरौला में युवक धनराज की मौत के बाद सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने गांव में जाकर मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हे हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। विभाग कार्यवाह अमित कुमार, जिला कार्यवाह अभिमन्यु, रूपेश कुमार, प्रमोद कुमार, कपिल कुमार, गोपालजी व महंथ अरुण दास ने परिवार जनों व ग्रामीणों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। ग्रामीणों को संगठित रहने की सलाह देते हुए कहा कि अब का समय आततायियों और आतंक फैलाने वालों को दंड देने दिलाने का है। प्रशासन को पूरे मामले में निष्पक्ष होकर कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि अगर पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने में लापरवाही की गई तो मुख्यमंत्री से मिलकर अधिकारियों को दंडित कराया जाएगा। विधायक राम प्रताप वर्मा ने पीड़ित परिवार को दो लाख रुपयों की आर्थिक सहायता देते हुए कहा कि गांव में घटी घटना न केवल दुस्साहसिक है वरन पीड़ादायक भी है। वह अपनी पार्टी के साथ पूरी तरह परिवार के साथ खड़े हैं और जरूरत पड़ने पर वह हर समय परिवार के साथ खड़े रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप वर्मा ने भी परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस मामले में जिन–जिन अधिकारियों की उदासीनता और गैर जिम्मेदारी सामने आई है उन सबकी शिकायत उच्च अधिकारियों से करने के साथ प्रदेश नेतृत्व के संज्ञान में लाया जाएगा। कोतवाली क्षेत्र के बभनी बुजुर्ग के अहिरौला में 27 मई को हुई घटना में प्रशासन की लापरवाही और दबंगों को प्रश्रय देने वालों का चिट्ठा अब सामने आने लगा है। पुलिस शुरू से ही इस मामले में लीपापोती का प्रयास कर रही थी। दबंगों और पुलिस के बीच तालमेल बनाने का जिम्मा गैंडास बुजुर्ग थाने में तैनात एक होमगार्ड कर रहा था। इसी तालमेल के चलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते समय उस हथियार का जिक्र तक नहीं होने दिया जिसके घातक वार से धनराज और मीना

देवी के सिर पर चोटें आईं थी। लोहे के रॉड में बाईक की चेन स्पॉकेट का नुकीला टुकड़ा जोड़कर उसे फरसे का आकार दिया गया था। जिसका घातक वार धनराज के लिए मृत्यु दायक साबित हुआ। दबाव में आई पुलिस ने आनन फानन मे उसी दिन चार आरोपियों को पकड़ कर जेल भेजने की कवायद की। पुलिस ने लकड़ी के डंडे और बांस की बरामदगी दिखा दी लेकिन आरोपियों से उस नुकीले और धारदार हथियार के बारे में न तो पूछताछ की न ही उसे बरामद करने की कोशिश ही की। बाद में पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से भी यह पता लगाने की कोशिश नहीं की कि वह औजार कहां है। हांलाकि अभी एक अभियुक्त अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है जिसकी तलाश में चार टीमें लगाने का दावा सीओ राघवेंद्र सिंह कर रहे हैं। आरोपियों के घर की भरपूर सुरक्षा पुलिस कर रही है लेकिन हथियार की बरामदगी के लिए घर की तलाशी लेने का ध्यान पुलिस को आठ दिन बाद भी नहीं है। इतनी बड़ी घटना के बाद जब पूरा मामला पुलिस केस बन गया था धनराज को उतरौला के एक निजी अस्पताल में लाकर उसके सिर पर टांके लगाए गये जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, इसके बावजूद पुलिस ने उस निजी अस्पताल के संचालक से यह भी नहीं पूछने की जहमत उठाई कि पुलिस को मामले की जानकारी समय से उपलब्ध क्यों नहीं कराई गई। निजी अस्पताल में हालत बिगड़ने के बाद उसे सीएचसी रेफर किया गया, सीएचसी से उसे जिला चिकित्सालय भेजने के दौरान रक्त ज्यादा निकल जाने से धनराज की हालत और भी चिंताजनक हो गई थी। निजी अस्पताल और दबंगों की मिलीभगत ने यहां भी सेटिंग कर रखी थी। घटना में कोतवाली उतरौला और गैंड़ास बुजुर्ग थाने की घोर लापरवाही की बातें भी सामने आई हैं। जब आरोपी लगातार चार महीनों से क्षेत्र में घूम घूम कर आतंक मचा रहे थे और उनकी शिकायत भी हो रही थी तो पुलिस किस दबाव में उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं कर रही थी इस पर अधिकारियों को सूक्ष्मता से जांच करनी होगी। सीओ राघवेंद्र सिंह का कहना है कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाना और शांति व्यवस्था बनाए रखने की है। सभी बिंदुओं पर विस्तृत जांच की जाएगी और जिनकी भी संलिप्तता या लापरवाही मिलेगी सबके खिलाफ कार्रवाई होगी।

महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ सपाइयों का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बैलगाड़ी पर सवार होकर जताया सरकार के खिलाफ विरोध

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों, रसोई गैस की किल्लत, स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिलों तथा विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शोहरतगढ़ में जोरदार प्रदर्शन किया। सपा नेता उग्रसेन सिंह के नेतृत्व में महिलाओं समेत हजारों कार्यकर्ताओं ने सपा कार्यालय से तहसील मुख्यालय तक बैलगाड़ी एवं पैदल मार्च निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस दौरान सपा नेता उग्रसेन सिंह और पुलिस कर्मियों के बीच कुछ देर तक नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे उग्रसेन सिंह ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता का जीवन कठिन बना दिया है। पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह प्रभावित हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी कार्यालयों में बिना रिश्वत के आम नागरिकों के कार्य नहीं हो रहे हैं तथा स्वास्थ्य केंद्रों में दलालों का बोलबाला बना हुआ है। इससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील मुख्यालय पहुंचने पर सपाइयों ने राज्यपाल को संबोधित 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में महंगाई पर नियंत्रण, स्मार्ट मीटर व्यवस्था की समीक्षा, भ्रष्टाचार पर अंकुश, किसानों एवं गरीबों को राहत तथा सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक एवं तेज किया जाएगा इस अवसर पर जिला महासचिव कमरूज्जमा, जुबैदा चौधरी, हरिनारायण यादव, वीरेंद्र तिवारी, गुड्डू सिंह, रामू यादव, विक्रम यादव, डब्लू सिंह, मदन मोहन सिंह, ओम प्रकाश यादव, सूरज, बलराम चौरसिया, विष्णु उमर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद जगदम्बिका पाल ने किया मेधावियों का भव्य सम्मान, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार छात्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण जनपद सिद्धार्थनगर के अम्बेडकर सभागार में उत्साहपूर्वक देखा गया। लोकभवन, लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य तथा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का लाइव प्रसारण देखा। समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहा गया तथा उन्हें भविष्य में और अधिक मेहनत कर सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। अपने संबोधन में सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने मेधावी छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आज प्रदेश में शिक्षा का स्तर निरंतर बेहतर हो रहा है और छात्राएं विभिन्न परीक्षाओं में उत्.ष्ट प्रदर्शन कर नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और देश तथा समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्र–छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया यह सम्मान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देगा। जिलाधिकारी ने सभी विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करने और जनपद का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कक्षा–10 के आठ तथा कक्षा–12 के दस मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रमाण–पत्र एवं सांकेतिक चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, परियोजना निदेशक नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मोबाइल नंबर बदलकर खाते से उड़ाए 35 लाख, बैंक का पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक के पूर्व कर्मचारी को ग्राहक के खाते से करीब 35 लाख रुपये की साइबर ठगी के आरोप में गिरतार किया है। लगभग दो वर्ष की जांच के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया।पुलिस के अनुसार, पीड़ित के खाते में दर्ज मोबाइल नंबर बदलकर आरोपी ने नया एटीएम कार्ड जारी कराया और यूपीआई सक्रिय कर लाखों रुपये निकाल लिए। वर्ष 2024 में रकम गायब होने के बाद साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था, जिसके बाद तकनीकी साक्ष्यों और बैंकिंग रिकॉर्ड के आधार पर जांच शुरू की गई।जांच में सामने आया कि आरोपी मो. शबान अख्तर, जो पहले बैंक में कर्मचारी था, ने बैंकिंग प्रक्रियाओं की जानकारी का फायदा उठाकर पूरी साजिश रची। उसने खाते से धनराशि निकालकर अपने परिचितों के खातों में भी ट्रांसफर की थी। क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को संतकबीरनगर जनपद के दुधारा क्षेत्र से गिरतार किया। पूछताछ में आरोपी ने लालच में आकर ठगी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आईटी एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। साथ ही ठगी की रकम और मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

रेलवे अंडरपास से निकला पानी, ग्रामीणों को मिली राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। एलएचएस–73 अंडरपास में हालिया बारिश के कारण जलभराव

महथा बाजार के पास रेलवे अंडरपास में कई दिनों से भरे पानी की समस्या का समाधान हो गया है। सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी की पहल पर रेल प्रशासन ने महज 12 घंटे के भीतर पंपिंग सेट लगाकर पानी निकालने का कार्य शुरू कर दिया, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली है।गोरखपुर–बढ़नी–गोंडा रेलखंड पर शोहरतगढ़–परसा स्टेशन के बीच स्थित महथा बाजार के समीप एलएचएस–73 अंडरपास में हालिया बारिश के कारण जलभराव हो गया था। इससे महथा, लेदवा, गजहड़ा, सेंगवार, बौड़हारी और नहरी समेत कई गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा था। स्थानीय स्तर पर शिकायत के बावजूद समाधान न होने पर महथा ग्राम प्रधान सीताराम और प्रतिनिधि शेख मोहम्मद आसिम नैय्यर ने सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी के प्रबंधक वकार मोइज खां से संपर्क किया। इसके बाद सोसाइटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से रेलवे के उच्च अधिकारियों और रेल मंत्रालय को समस्या से अवगत कराया।मामले को गंभीरता से लेते हुए रेल प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। परिणामस्वरूप सोमवार को अंडरपास से पानी निकालने का कार्य शुरू कर दिया गया।जलभराव समाप्त होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी तथा रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सिद्धार्थनगर में दर्दनाक हादसा, टैंकर की चपेट में आने से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के महादेव गांव के पास सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई घायल हो गया। हादसे के बाद चालक टैंकर छोड़कर मौके से फरार हो गया।नकारी के अनुसार, काठेला समय माता क्षेत्र के काठेला गांव निवासी शैलेश (28) पुत्र मंगल प्रसाद अपने छोटे भाई नितेश (22) के साथ नौगढ़ से बाइक से घर लौट रहे थे। शाम करीब 6रू30 बजे महादेव गांव के पास पीछे से आ रहे इंडियन ऑयल के तेल लदे टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े और टैंकर का पहिया शैलेश के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नितेश घायल हो गया।घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर पहुंची चिल्हिया पुलिस ने लोगों को समझाकर करीब आधे घंटे बाद जाम समाप्त कराया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा घायल नितेश का उपचार कराया गया। दुर्घटना में शामिल टैंकर को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है और तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नौकरी का झांसा देकर ठगी के आरोप में नेपाल भेजे गए 453 नेपाली नागरिक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सोनौली। नेपाल के युवकों और युवतियों को नौकरी का प्रलोभन देकर नेटवर्क मार्केटिंग के माध्यम से कथित ठगी कराने तथा उसमें संलिप्त होने के आरोप में 453 नेपाली नागरिकों को कुशीनगर पुलिस ने नेपाल–भारत सीमा पर नेपाली पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास से प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कुशीनगर जिले में रह रहे 453 नेपाली नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद 11 वाहनों के माध्यम से शनिवार दोपहर सोनौली सीमा पर पहुंचाया, जहां उन्हें नेपाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। बताया गया कि नेपाली दूतावास को शिकायत मिली थी कि कुशीनगर जनपद में बड़ी संख्या में नेपाली नागरिकों को कथित चेन मार्केटिंग सिंडिकेट और ऑनलाइन ठगी से जुड़ी गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया था कि कुछ लोगों को अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया तथा उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दूतावास ने भारतीय अधिकारियों से हस्तक्षेप कर संबंधित लोगों को मुक्त कराने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। उधर, कसया थाना क्षेत्र में संचालित नेटवर्क मार्केटिंग गतिविधियों को लेकर भी कई शिकायतें पुलिस को प्राप्त हुई थीं। आरोप था कि बेरोजगार युवाओं को नौकरी और अधिक आय का लालच देकर नेटवर्क से जोड़ा जाता था तथा उनसे धनराशि जमा कराई जाती थी। बाद में निवेश की गई रकम वापस न मिलने पर पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच की जा रही है तथा शिकायतों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सीबीएसई ने मानी ऑन– मार्क पोर्टल में सुरक्षा खामी, 12वीं बोर्ड कॉपियों के डाटा ब्रीच पर बढ़ा विवाद

नई दिल्ली। सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग की गड़बड़ियों का

तूफान अभी थमा भी नहीं है कि अब 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के डाटा ब्रीच के मामले का नया घमासान सामने आ गया है। उत्तर पुस्तिकाओं का डाटा पब्लिक डोमेन में उपलब्ध होने की बात अब तक नकार रही सीबीएसई ने रविवार को आखिरकार अपने सर्विस प्रोवाइडर के आन मार्क पोर्टल में साइबर सुरक्षा से जुड़ी खामियों को स्वीकार किया। ऑन मार्क पोर्टल एक ऑन–स्क्रीन मार्किंग सिस्टम है जिसका इस्तेमाल इस साल 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के लिए किया गया था। **CBSE** ने दी सफाई: सीबीएसई ने दावा किया है कि ऑन मार्क पोर्टल में पहचान की गई कमियों को ठीक कर लिया गया है और अन्य संभावित कमजोरियों की जांच कर इन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के डाटा हैक होने के दावों के बाद रविवार को सीबीएसई ने इसमें कमियों की बात स्वीकार करते हुए यह सफाई दी।

चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से रूबरू हुए भाजपा नेता श्याम जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र 302 शोहरतगढ़ के अंतर्गत ग्राम महदेवा नानकार, रमवापुर तिवारी, अटकोनिया, खुनुवां और बगहवा समेत विभिन्न गांवों में भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। चौपाल कार्यक्रम के दौरान श्याम जायसवाल ने ग्रामीणों से योजनाओं के क्रियान्वयन, क्षेत्रीय विकास तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है और इसके लिए जनप्रतिनिधियों का जनता के बीच पहुंचकर संवाद करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास, जन आकांक्षाओं और सामाजिक सरोकारों को लेकर लगातार लोगों से संपर्क किया जा रहा है। जनता का स्नेह और सहयोग ही उन्हें जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। उनका संकल्प क्षेत्र के प्रत्येक गांव के विकास और प्रत्येक नागरिक के सम्मान को सुनिश्चित करना है। भाजपा नेता ने चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों का विश्वास और अपनत्व उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने लोगों से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की।इस अवसर पर प्रधान राम मिलन चौधरी, सचमुच त्रिपाठी, सेक्टर अध्यक्ष अजीत चौरसिया, अंबिका प्रसाद मिश्रा, पूर्व प्रधान धीरेंद्र चौधरी, फूलचंद गुप्ता, संजय राजभर, कैलाश गुप्ता, रोजगार सेवक रंजीत गोस्वामी, राजकुमार पाल, प्रभु दयाल, रामू यादव, बूथ अध्यक्ष टिंकू चौधरी, बबलू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दुग्ध दिवस पर किया गया वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। सोमवार को दुग्ध दिवस पर नगर पंचायत उसका बाजार के कान्हा गौशाला के प्रांगण में पशु चिकित्सा अधिकारी अनिमेष मिश्र ने वृक्षारोपण अभियान चलाया गया । अनिमेष मिश्र ने कहा कि गौ सेवा करे और गौ सेवा एवं संरक्षण के महत्व बताए गए तथा पराग डेयरी के शुद्ध दूध का उपयोग करने पर बल दिया गया । वृक्षारोपण के दौरान राजेश कुमार श्रीवास्तव ,चंद्रगुप्त जायसवाल आदि मौजूद रहे।

आम बेचने आई महिला से छेड़छाड़, दो युवकों पर केस दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के एक गांव में आम बेचने आई महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बच्चों के साथ गांव में रहती है, जबकि उसका पति रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है। बीते 29 मई को वह गांव में आम बेचने आई थी। इसी दौरान बेलबनवा नगर वार्ड निवासी दो युवक आम खरीदने के बहाने उसके पास पहुंचे।आरोप है कि दोनों युवकों ने महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए छेड़छाड़ शुरू कर दी। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में पीड़िता ने थाने पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई।प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परि□श्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी–हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता ...

निकाय चुनाव नतीजों से बढ़ा आप का भरोसा

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दर्शाता है। सही मायने में स्थानीय

निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दर्शाता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल ही रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी–हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है। लेकिन फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष अभी भी एकजुटता और दिशा की तलाश में लगा हुआ है।

दुनिया के मेले से आइडिया

एसी लोकल के जिस कोच में मैं बैठा हुआ था, सामने तीन–चार 20–22 साल के लड़कों की एक मंडली भी थी। इंग्लिश में खूब हंसी–मजाक चल रहा था। मैं ट्रेन में बैठकर अक्सर किसी अखबार के पन्ने उलट–पलट लेता हूं। लेकिन यहां ध्यान इन लड़कों की बातों पर चला गया। बात तो इंग्लिश में हो रही थी लेकिन मैं उसे हिंदी में लिख रहा हूं। एक ने कहा, इसलिए कहता हूं कि हर किसी इंसान के साथ बिल्कुल बात नहीं करनी चाहिए। दूसरे ने हामी भरते हुए कहा, तू सही बोलता है, ऐसे ही पक जाता है आदमी हर किसी से बात करने लगा तो। फिर एक अन्य बोला, हां, यह बात तो है और एक और भी बड़ी बात यह है कि हर एक इंसान से अगर बात करने लगे कोई तो वह टॉप पर नहीं पहुंच सकता। इसीलिए जो टॉप पर है, उसी से बात करनी चाहिए। उनकी बात अभी चल ही रही थी कि मेरा स्टेशन आ गया। खैर, आज मुझे इन युवाओं की बातों का खध्याल बार–बार आता रहा। हर पीढ़ी का अपना व्यू–प्वाइंट, अपना नजरिया है। चलिए, जमाने का चलन जो है सो है, लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम लोग हर किसी के साथ बात नहीं कर सकते या करना नहीं चाहते तो हम बहुत कुछ मिस कर जाते हैं। मुझे अक्सर मेरे आसपास के लोग या मेरे ब्लॉग को विजिट करने वाले पूछते हैं कि लिखने के लिए आइडिया कहां से आते हैं। उसका दो टूक जवाब है, सब कुछ इस दुनिया के मेला देखते–घूमते ही मिल जाता है। हर किसी से बात करना है निहायत जरूरी। सिर्फ पहचान वालों से ही नहीं, जो नहीं भी पहचानते उन से भी अगर बात करनी पड़े तो ढंग से बात की जाए। जब हर किसी से बात की जाती है तो बातों से बात निकलती है तो कुछ नया पता चलता है। अखध्बार, किताबें, मैगजीन को पढ़ने से भी बत्ती जग जाती है। रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया इनसे भी आइडिया आ जाते हैं। सबसे ज्यादा आइडिया तो दुनिया के मेले से आते हैं। आइडिया हमारे हर तरफ हैं। उसके लिए किसी से बात करनी होगी, इधर–उधर–हर तरफ देखना होगा, अनजान इंसान को भी एक मुस्कान देने से डरना न होगा। फिर से कॉलेज के लड़कों की बात याद आ रही है। पहले कंप्यूटर आने से युवा पीढ़ी लिखने से भागने लगी। अब बोलचाल भी कम ही है। आज की पीढ़ी के पास बातें ही नहीं हैं, सिर्फ हॉय–बॉय, कूल, थम्स–अप के इशारे और हर मौके के लिए बीसियों ईमोजी। क्या इतना ही काफी है।

ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता से थमेगी महंगाई

बैंकों को कारोबार–अनुकूल ;ण विकल्प विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं, परंतु ईंधन के वैकल्पिक स्रोत के रूप में विकसित सीएनजी भी महंगी होती जा रही है, जिससे परिवहन लागत बढ़ रही है। विपक्ष इसे आम जनता पर आर्थिक बोझ बताता है, जबकि सरकार का तर्क है कि इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां और ऊर्जा आपूर्ति संकट जैसे कारण हैं, जो उसके प्रत्यक्ष नियंत्रण से बाहर हैं। बढ़ती महंगाई से निपटने ...

अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा। इससे देश में सभी चीजें लगातार महंगी हो रही हैं। दरअसल, इसकी वजह अधिकांश पेट्रो प्रोडक्ट्स के लिए आयातों पर निर्भरता है। बढ़ती महंगाई से निपटने का स्थायी उपाय ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना है। स्वतंत्रता के बाद ऐसा कोई दौर नहीं आया जब देश में चीजें व्यापक रूप से सस्ती हुई हों। महंगाई की समस्या मध्यवर्ग और निम्न मध्यवर्ग के जीवन में लगातार बनी रही है। इसका एक प्रमुख कारण हमारी आयात–निर्भर अर्थव्यवस्था है। आयातों का भुगतान डॉलर में करने तथा बजट घाटे के दबाव के कारण आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, जिससे बाजार में मुद्रास्फीति बढ़ती है। साथ ही, कच्चे माल का आयात भी महंगा पड़ता है, जिसके कारण उससे निर्मित तैयार उत्पादों की लागत और कीमत दोनों बढ़ जाती हैं। देश का आम आदमी लंबे समय से महंगाई की मार झेलता आया है, जबकि सरकारें समय–समय पर उस पर नियंत्रण का आश्वासन देती रही हैं। कोविड–19 के बाद महंगाई नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक ने कठोर साख नीति अपनाई, जिससे ऋण महंगे हो गए और निवेश तथा आर्थिक विकास प्रभावित होने लगे। बाद में आधिकारिक आंकड़ों में थोक महंगाई दर शून्य से नीचे तथा खुदरा महंगाई दर सुरक्षित सीमा के भीतर दिखाई गई, किंतु आम जनता को बाजार में वस्तुएं वास्तव में सस्ती नहीं मिलीं। इसका एक कारण यह भी रहा कि लागत मेंआई कमी का लाभ उपभोक्ताओं

तक पहुंचने के बजाय कई बार बिचौलियों और फुटकर व्यापारियों के अतिरिक्त लाभ में बदल गया। देश महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक स्थिरता से राहत की उम्मीद कर ही रहा था। रेपो दरों में कटौती का दौर भी थम गया था और अपेक्षा की जा रही थी कि घरेलू तथा विदेशी निवेश बढ़ेगा तथा शेयर बाजार नई ऊंचाइयों को छुएगा। किंतु अचानक एक युद्ध ने ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य, बाधित हो गया। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और उर्वरकों की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा, जिससे भारत में महंगाई बढ़ने की आशंकाएं फिर से प्रबल हो गईं और आम जनता की चिंताएं बढ़ने लगीं। वर्तमान स्थिति यह है कि देश में आर्थिक गतिविधियों की रीढ़ माने जाने वाले पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ ही दिनों में मूल्य कई बार बढ़ाए गये हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत नियंत्रित रहने के बावजूद देश में पेट्रोल की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गई हैं। इस निरंतर वृद्धि से पेट्रोल–डीजल आम उपभोक्ता के लिए बेहद महंगा हो रहा है। यद्यपि सरकार आश्वासन देती रही है कि देश के पास लगभग 75 दिनों का पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध है, जिससे आपूर्ति बाधित नहीं होगी और पेट्रोल पंपों पर सामान्य स्थिति बनी रहेगी, फिर भी कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। सरकार का तर्क है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के दौरान घरेलू बाजार में पेट्रोल व डीजल के दाम लंबे समय तक स्थिर रखे गए, जिससे पेट्रोलियम कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसी घाटे की भरपाई के लिए ईंधन कीमतों को बाजार के अनुसार समायोजित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग हर दूसरे या तीसरे दिन दामों में वृद्धि देखने को मिल रही है। पेट्रोल की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। वहीं, व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी ने होटल, ढाबों और खाद्य व्यवसायों की लागत बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप भोजन और अन्य खाद्य पदार्थों के दाम भी बढ़ गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं की क्रय–शक्ति प्रभावित हुई है और खाद्य बाजार में मंदी का माहौल बन गया है। उधर, वित्त मंत्री के अनुसार उर्वरकों की बढ़ती कीमतें और रुपये के अवमूल्यन ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है। सरकार ने पेट्रोल–डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर राजस्व का नुकसान उठाया है, किंतु ऊर्जा आयात पर निर्भरता और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। बैंकों को कारोबार–अनुकूल ऋण विकल्प विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं, परंतु ईंधन के वैकल्पिक स्रोत के रूप में विकसित सीएनजी भी महंगी होती जा रही है, जिससे परिवहन लागत बढ़ रही है। विपक्ष इसे आम जनता पर आर्थिक बोझ बताता है, जबकि सरकार का तर्क है कि इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां और ऊर्जा आपूर्ति संकट जैसे कारण हैं, जो उसके प्रत्यक्ष नियंत्रण से बाहर हैं। बढ़ती महंगाई से निपटने का स्थायी समाधान देश को अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक आयातों पर निर्भर है, इसलिए वैश्विक संकटों और युद्धों का सीधा प्रभाव महंगाई के रूप में देश को झेलना पड़ता है।

राजनीतिक सरगर्मियों में तेजी लाएंगे चुनाव परिणाम

फिलहाल, बीते शुक्रवार को नगर निगम चुनावों में पार्टी का खराब प्रदर्शन साफ नजर आया –यहां तक कि अपने प्रदेशाध्यक्ष राजा वडिंग के गढ़ में भी हार गई। जालंधर के सांसद चरणजीत चन्नी ने तो अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार तक नहीं किया। जिस इलाके में प्रताप बाजवा और सुखजिंदर रंधावा का दबदबा है, वहां के मतदाताओं ने कांग्रेस उम्मीदवारों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया...

विधानसभा चुनाव के पहले के आगामी छह माह पंजाब की राजनीति में बेहद सरगर्मी भरे होंगे। पंजाब नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत हुई। वहीं कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही। नेतृत्व बदलाव के बीच भाजपा भी कुछ जगह जीती। इन चुनावों को विस चुनाव का पूर्वाभ्यास मानें तो कड़ा मुकाबला होगा। पंजाब में होली देर से आई है– या फिर जल्दी, यह इस पर निर्भर करता है कि आप इसे किस नजरिए से देखते हैं, जब पाते हैं कि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) राज्य में नगर निगम चुनावों में अपनी शानदार जीत का जश्न रंगों, ढोल और मिठाइयों के साथ मना रही है। कांग्रेस काफी पीछे, दूसरे स्थान पर है, और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन भाजपा और अकाली दल, दोनों से बेहतर रहा है। चूंकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल ढिल्लों को पद संभाले अभी चंद घंटे ही हुए हैं, इसलिए पार्टी के प्रदर्शन पर कोई फैसला सुनाना शायद सही न हो– ढिल्लों के अपने ही इलाके, बरनाला में उसका पूरा सफाया हो गया है। लेकिन दिलचस्प बात यह कि मौजूदा विधानसभा में भाजपा के दो विधायकों में से एक, मुकेरियां से जंगी लाल महाजन ने–जैसा कि मेरी सहयोगी दीपकमल कौर ने लिखा है– खुलकर अकाली दल के उम्मीदवार के लिए प्रचार किया (वो जीत गया है), जबकि दोनों पार्टियों के बीच कोई गठबंधन नहीं है। अगर यह चुनाव वाकई

इस साल के आखिर में या अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक पूर्वाभ्यास है, तो यह मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। कुछ लोग कहेंगे कि भाजपा ने नेतृत्व परिवर्तन करने में शायद बहुत ज़्यादा देर कर दी– इतनी देर कि दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत संधू को पंजाब में प्रस्तुत करने का मौका हाथ से निकल गया, और केवल ढिल्लों को कमान संभालने में भी काफी देर हो गई। जाहिर है, इस पद के लिए काफी लॉबिंग हुई, क्योंकि सुनील जाखड़ ने एक साल पहले ही ऐलान कर दिया था कि उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी नहीं निभानी। लेकिन पार्टी को इस बात से जरूर राहत महसूस हुई होगी कि उसने मोहाली की एक नगर परिषद, 'नया गांव' में शानदार जीत हासिल की है। यह इलाका चंडीगढ़ से बिल्कुल सटा हुआ है–और चंडीगढ़ गोल्फ क्लब से भी ज़्यादा दूर नहीं, वह जो अपने ऊंचे–नीचे मैदान युक्त गोल्फ कोर्स, बार और पार्किंग के साथ शहर के रईसों की पसंदीदा जगह है– जबकि 'आप'और कांग्रेस, दोनों ही, सिर्फ एक–एक सीट तक सिमटकर रह गई हैं। इस चुनाव ने 'आप' और भाजपा, दोनों के भविष्य की दिशा को कमोबेश साफ कर दिया है–'आप'अपनी जमीन बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, जबकि भाजपा राज्य में अपनी पैठ बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अब यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ही 'आप' का चेहरा होंगे। दिल्ली का राष्ट्रीय नेतृत्व, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया,कमान तो संभालेगा, लेकिन मजबूती से पर्दे के पीछे रहकर। हर कोई बखूबी वाकिफ है कि पंजाबी लोग सबसे अलग होते हैं, न रुकने वाले बगावती, और अपनी किस्मत की बागडोर खुद अपने हाथों में लेना पसंद करते हैं। इसके अलावा, भगवंत मान पर उनके अपने ही गढ़ धुरी में लगे सभी आरोप–मसलन,गुटबाजी, नशे का मुद्दा, शहर का साफ–सुथरा न होना–परिणामों पर बेअसर साबित हुए हैं। गत शुक्रवार को हुए धुरी नगर परिषद के चुनावों में 'आप' ने जबरदस्त जीत हासिल की। जहां तक भाजपा की बात है, यह भी उतना ही साफ है कि आने वाले चुनावों के प्रबंधन में आरएसएस एक अहम भूमिका निभाएगी। उसके कार्यकर्ता और 'पन्ना प्रमुख' (वह 'प्रमुख' या व्यक्ति जो वोटर लिस्ट के हर पन्ने पर लिखे प्रत्येक वोटर के नाम का हिसाब–किताब रखकर प्रभाव बनाने का काम करता है) पहले से ही जमीनी स्तर पर पूरी लगन से काम में जुटे हुए हैं। केवल ढिल्लों का प्रदर्शन कैसा भी रहे–उनकी घोषित सकल संपत्ति 200 से 229 करोड़ रुपये के बीच है, और दिल्ली के वसंत विहार, चंडीगढ़ के सेक्टर 9, दुबई और स्पेन के मारबेला में उनके घर हैं– इस बात का एक साफ पैमाना होगा कि आरएसएस ने राज्य में कितनी कड़ी मेहनत झोंकी है। सवाल यह है कि कांग्रेस आखिर करना क्या चाहती है? इस कॉलम में अक्सर इस पुरानी और बड़ी पार्टी के आपस में लड़ते गुटों की आलोचना की जाती रही है। ये सभी गुट सिर्फ दिल्ली हाईकमान की खुशामद करने की होड़ में लगे रहते हैं– जोकि वास्तव में गत सप्ताह कर्नाटक में सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक करवाने में व्यस्त रहा। वहां निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बिना किसी हील–हुज्जत के सत्ता की बागडोर अपने नंबर दो नेता डी.के. शिवकुमार को सौंप दी है। निश्चित रूप से, पंजाब में भी बहुत से कांग्रेसी उम्मीद भरी नजरों से दिल्ली हाईकमान से आस लगाएंगे कि वही कुशल दांव–पेच यहां भी दोहराए। असल में, अगर कर्नाटक के अनुभव को पैमाना माना जाए, तो ऐसा लगता है कि पार्टी ने 2021 में खुद को पहुंचाए नुकसान से सबक सीखा हैय उस समय पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को विधानसभा चुनाव से एक साल से भी कम समय पहले बदल दिया गया था। दिल्ली स्थित कांग्रेस आलाकमान में अफवाहों का बाजार गर्म है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह केरल में मिली सफलता से उत्साह पाकर और तमिलनाडु में अपने हस्तक्षेप से प्रभावित होकर, आने वाले महीनों में पंजाब में, हिमाचल प्रदेश में (जहां पर 2027 के आखिर में चुनाव होने हैं) और 2028 के आखिर में राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव खेलने को तैयार है।

मेहंदी का रंग भी नहीं उतरा था और उजड़ गया सुहाग... शादी के चंद घंटों बाद दूल्हे की दर्दनाक मौत, लाश के साथ 5 घंटे तक तड़पती रही दुल्हन!

कहते हैं कि मौत कब और किस रूप में सामने आ खड़ी होगी, इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता। अमेरिका के जॉर्जिया से एक ऐसी ही रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जिसने दो भारतीय मूल के परिवारों की हंसती–खेलती दुनिया को पल भर में उजाड़ दिया। सात फेरे लेने और शादी का जश्न मनाने के महज कुछ ही घंटों बाद एक नवविवाहित जोड़ा विमान हादसे का शिकार हो गया। इस भयानक हेलीकॉप्टर क्रैश में भारतीय मूल के सह–यात्री और पेशे से कमर्शियल पायलट डेव फिजी (25 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी दुल्हन चमत्कारिक रूप से जिंदा बच गई। अटलांटा के रहने वाले डेव फिजी डेल्टा एयर लाइंस (क्मसजं ।पत स्पदमे) में एक होनहार पायलट थे। शुक्रवार को डॉसन काउंटी के डॉसनविले में स्थित एक आलीशान वेडिंग वेन्यू श्द रिवियरश में डेव और जेसनी की शादी का भव्य आयोजन हुआ था। इस समारोह में दोनों परिवारों के सैकड़ों मेहमान शामिल हुए थे। रिसेप्शन खत्म होने के बाद, रात करीब 9रू30 बजे इस नवविवाहित जोड़े को हेलीकॉप्टर से पीचट्री–डेकाल्ब एयरपोर्ट जाना था, जहां से वे अटलांटा शहर के एक होटल के लिए रवाना होने वाले थे। लेकिन विदाई के वक्त मौसम अचानक बेहद खराब हो गया। चारों तरफ घना कोहरा छा गया और तेज बारिश होने लगी, जिससे विजिबिलिटी न के बराबर रह गई।

डेव के पिता जॉर्ज फिजी ने रोते हुए उस पल को याद कियारूडेव खुद एक अनुभवी कमर्शियल पायलट था, इसलिए वह इस खराब मौसम में उड़ान भरने को लेकर असहज था। उसने मुझसे साफ कहा थाकृ श्पापा, मैं उड़ान नहीं भरूंगा, हम इतनी कम विजिबिलिटी में रिस्क नहीं लेंगे।श लेकिन इसके बावजूद मुख्य पायलट ने ज्यादा ऊंचाई पर उड़ने का फैसला किया और हेलीकॉप्टर ने टेकऑफ कर लिया।ष

मनोरमा ऑनलाइन के अनुसार, डेव के माता–पिता, जॉर्ज और फीबा फिजी, कई साल पहले केरल के एर्नाकुलम जिले के मुक्तुपुझा से **US** आकर बस गए थे। जेसनी के परिवार की जड़ें भी केरल के अलाप्पुझा जिले से जुड़ी हुई हैं। जॉर्ज फिजी ने श्अटलांटा न्यूज फर्स्ट को बताया, ष्यह हमारा बहुत प्यारा बच्चा था, वह हमारे लिए भगवान का दिया हुआ एक तोहफा था... वह बहुत ही सुंदर और आकर्षक था। उन्होंने कहा, ष्म कह सकते हैं कि यह एक एकदम सही शादी थी। हम इससे ज्यादा और कुछ नहीं माँग सकते थे। लेकिन फिर अचानक सब कुछ बहुत बुरा हो गया।

नवविवाहित जोड़े को हेलीकॉप्टर से वेन्यू से निकलकर पीचट्री–डेकाल्ब एयरपोर्ट जाना था, और फिर रात अटलांटा शहर के एक होटल में बितानी थी। लेकिन रिसेप्शन खत्म होते–होते मौसम काफी खराब हो चुका था। जॉर्ज फिजी ने बताया कि शादी का जश्न रात करीब 9:30 बजे खत्म हुआ, और तब तक कोहरे और बारिश की वजह से विजिबिलिटी (देखने की क्षमता) काफी कम हो गई थी। डेव, जो एक अनुभवी कमर्शियल पायलट थे, ऐसे मौसम में उड़ान भरने को लेकर थोड़ा असहज महसूस कर रहे थे। उनके पिता ने याद करते हुए बताया, उसने कहा था कि मैं उड़ान नहीं भरूँगा, हम ऐसी कम विजिबिलिटी में उड़ान नहीं भरेंगे।ष

इन चिंताओं के बावजूद, हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरीय बताया जाता है कि पायलट ने ज्यादा ऊँचाई पर उड़ने का फैसला किया था। बाद में, यह विमान डॉसनविले के दक्षिण–पश्चिम में स्थित एक ऊबड़–खाबड़, घने जंगलों और पहाड़ों वाले इलाके में क्रैश हो गया।

जॉर्ज फिजी ने बताया कि जेसनी करीब पाँच घंटे तक हेलीकॉप्टर के मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे फँसी रही, जिसके बाद बचाव दल वहाँ पहुँचा और उसे बाहर निकाला। उन्होंने बताया, ष्जेसनी ने हमें बताया कि जब उसे होश आया, तो वह मलबे के नीचे दबी हुई थी। वह जागी और देखा कि वह उसकी छाती पर लेटा हुआ है। वह खुद एक नर्स है। जब उसने उसे छुआ, तो उसने उसे आवाज दी। तब तक उसका शरीर ठंडा पड़ चुका था।

जेसनी को शरीर पर कई जगह गहरे कट और चोटें आईं, लेकिन उसकी कोई हड्डी नहीं टूटी। जॉर्ज फिजी ने बताया कि डेव को खोने से वह ष्पूरी तरह टूट गई है।ष

WALB न्यूज के अनुसार, डॉसन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार देर रात उन्हें एक हेलीकॉप्टर के संभावित रूप से क्रैश होने की सूचना मिली थी। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बाद में पुष्टि की कि रात लगभग 10रू30 बजे डॉसनविले के पास एक रॉबिन्सन त्66 हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें तीन लोग सवार थे।

क्रैश वाली जगह के पास रहने वाले एक निवासी ने अटलांटा न्यूज फर्स्ट को बताया कि बचाव दल को बेहद मुश्किल इलाके का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, ष्बचे हुए व्यक्ति को निकालने में उन्हें लगभग छह घंटे लगे, और यह भी बताया कि बचाव दल को मलबे तक पहुँचने के लिए ऑफ–रोड गाड़ियों का इस्तेमाल करना पड़ा और घनी झाड़ियों को काटकर रास्ता बनाना पड़ा।

इस हेलीकॉप्टर की मालिक कंपनी, प्रेस्टीज हेलीकॉप्टर्स के ऑपरेशंस डायरेक्टर, एंडी व्हिटेकर ने इस दुर्घटना को कंपनी के इतिहास में अपनी तरह की पहली घटना बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी का सुरक्षा रिकॉर्ड पिछले चार दशकों से बेदाग रहा है और पायलट भी उस रास्ते से अच्छी तरह परिचित था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड इस क्रैश की जाँच का नेतृत्व कर रहा है। 30 दिनों के भीतर एक शुरुआती रिपोर्ट आने की उम्मीद है।

तीसरे विश्वयुद्ध का काउंटडाउन शुरू? अमेरिका ने ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों को बमों से उड़ाया, दहल उठा कुवैत, आसमान से बरसीं मिसाइलें!

मध्य पूर्व में कई हफ्तों से लागू नाजुक युद्धविराम के बीच एक बार फिर बारूद की गूंज सुनाई दी है। अमेरिकी सेना ने सोमवार को जानकारी दी कि सप्ताहांत में ईरान द्वारा एक अमेरिकी श्एमक्यू–1 प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराए जाने के जवाब में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान के रडार और ड्रोन नियंत्रण केंद्रों पर भारी बमबारी की है। इस हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी सैन्य कार्रवाई की बात स्वीकार की है।

वहीं, पड़ोसी देश कुवैत ने भी सोमवार तड़के खुद पर ड्रोन और मिसाइल हमले होने का दावा किया है, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस बीच कुवैत ने कहा कि उस पर ड्रोन एवं मिसाइल हमले किए गए जिन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचने से रोकने के लिए उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने कार्रवाई शुरू कर दी। ये हमले ईरान युद्ध में कई सप्ताह से लागू युद्धविराम की नाजुक स्थिति को दर्शाते हैं।

अमेरिकी और ईरानी अधिकारी इस युद्धविराम की अवधि को बढ़ाने के लिए समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद हमले लगातार जारी हैं। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ बनाए हुए है जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। कभी फारस की खाड़ी के इस संकरे मुहाने से तेल और प्राकृतिक गैस के वैश्विक कारोबार का पांचवां हिस्सा गुजरता था। इस बीच, स्थिति लगातार और चिंताजनक हो रही है।

इजराइल ने लेबनान में लितानी नदी से आगे भी कब्जा कर लिया है, जबकि उग्रवादी समूह हिजबुल्ला इजराइल में ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने कहा कि उसने शनिवार और रविवार को ईरान में गेरुक शहर और केशम द्वीप के आसपास हमले किए। 'सेंट्रल कमांड' ने कहा, ''सीमित और सोच–समझकर किए गए ये हमले ईरान की आक्रामक कार्रवाइयों के जवाब में किए गए जिनमें अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे 'अमेरिकी एमक्यू–1' ड्रोन को मार गिराना शामिल है।'

उसने कहा, ''अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, एक जमीनी नियंत्रण केंद्र और दो ऐसे ड्रोन को नष्ट कर दिया जो क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहे पोतों के लिए स्पष्ट खतरा पैदा कर रहे थे।'' प्रीडेटर ड्रोन को अमेरिकी वायुसेना सेवा से हटा चुकी है और अब वह 'एमक्यू–9 रीपर' ड्रोन का इस्तेमाल करती है लेकिन अमेरिकी थल सेना अब भी प्रीडेटर ड्रोन का उपयोग करती है।

अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ। इस बीच कुवैत ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोकने के लिए सोमवार तड़के कार्रवाई शुरू कर दी। ईरान के सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए की खबर के अनुसार, ईरानी अर्द्ध सैन्य बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी बलों ने एक द्वीप पर दूरसंचार टावर को निशाना बनाया। 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने कहा कि उसने जवाबी हमला किया लेकिन यह नहीं बताया कि हमला कहां किया गया।

इससे पहले, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सलाहकारों से शुक्रवार को मुलाकात की थी लेकिन उन्होंने अभी यह तय नहीं किया है कि युद्धविराम की अवधि बढ़ाने और जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के समझौते पर आगे बढ़ना है या नहीं। ईरान ने कहा है कि समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ट्रंप ने सोमवार तड़के अपने 'ट्रुथ सोशल' मंच पर एक पोस्ट में लिखा, ''ईरान सचमुच समझौता करना चाहता है और यह अमेरिका एवं हमारे साथ खड़े देशों के लिए अच्छा समझौता होगा।

पिछले साल 11 मौतों से लिया सबक, आईपीएल खिताब जीतने के बाद भी आरसीबी नहीं निकालेगी वजय जुलूस

पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चौलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर

लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चौलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा।'' इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, ''हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए मलेशिया का सख्त कानून, 16 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया बैन

कुआलालंपुर। मलेशिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट रखने पर रोक लगाने वाले नियमों को सोमवार से लागू कर दिया। इसके साथ ही मलेशिया सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले बच्चों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के वैश्विक प्रयास में शामिल हो गया है। इन नियमों के तहत सोशल मीडिया मंचों को आयु सत्यापन प्रणाली लागू करनी होगी और 16 वर्ष से कम उम्र के सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को 'अकाउंट' बनाने से रोकना होगा। ये नियम कम से कम 80 लाख उपयोगकर्ताओं वाले मंचों पर लागू होंगे जिनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब शामिल हैं। नियमों का पालन नहीं करने वाली कंपनियों पर एक करोड़ रिंगिट (25 लाख अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लग सकता है। हालांकि, अगर बच्चे इस कानून को किसी तरह दरकिनार कर सोशल मीडिया अकाउंट बना लेते हैं तो उनके माता–पिता पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

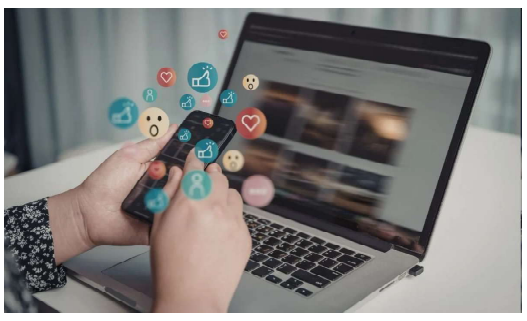

सरकार ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य बच्चों को हानिकारक सामग्री, ऑनलाइन उत्पीड़न और मंचों की उन विशेषताओं से बचाना है जो अत्यधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और इंडोनेशिया सहित अन्य देशों ने भी बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को सीमित करने के लिए आयु आधारित प्रतिबंध या शर्तें लागू की हैं या उनकी घोषणा की है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, डेनमार्क, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी इसी तरह के उपायों का अध्ययन कर रहे हैं या उन्हें विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

मलेशिया के संचार एवं मल्टीमीडिया आयोग ने कहा कि इन नियमों का उद्देश्य बच्चों को इंटरनेट या डिजिटल प्रौद्योगिकी तक पहुंच बनाने से रोकना नहीं है, बल्कि इनके जरिये सेवा प्रदाताओं से ऑनलाइन खतरों से निपटने और आयु के अनुरूप सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई है। प्रौद्योगिकी कंपनियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वे मलेशिया की नयी अनिवार्यताओं का अनुपालन कैसे करेंगी।

मलेशियाई नियामक ने कहा कि आयु सत्यापन प्रणाली को लागू करने के लिए मंचों को कुछ समय की मोहलत दी जाएगी। दक्षिणपूर्व एशिया के लिए 'मेटा' की सार्वजनिक नीति निदेशक क्लारा कोह ने अप्रैल में चेतावनी दी थी कि मलेशिया का 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर पूर्ण प्रतिबंध उल्टा पड़ सकता है और इसके कारण किशोर सुरक्षित ऐप से दूर होकर इंटरनेट के अनियंत्रित क्षेत्रों की ओर जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'मेटा' ने 18 साल से कम उम्र के लोगों के लिए 'टीन अकाउंट' (किशोरों के लिए खाते) शुरू किए हैं जो संपर्क, 'स्क्रीन' के सामने बिताए जाने वाले समय और अनुचित सामग्री तक पहुंच को सीमित करते हैं।

श्रीलंका में त्योहार का जश्न मातम में बदला, नशे में धुत Driver ने 6 लोगों को रौंदा

श्रीलंका की राजधानी के बाहरी इलाके में कथित तौर पर नशे में धुत एक पिकअप वाहन चालक ने बौद्ध पर्व वेसाक मना रहे

लोगों को टक्कर मार दी जिससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह हादसा रविवार रात कोलंबो के उपनगर मीगोडा में उस समय हुआ, जब वाहन वार्षिक वेसाक समारोह के तहत सड़क के किनारे लगीं खाने की दुकानों पर इंतजार कर रहे लोगों के बीच जा घुसा। पुलिस ने बताया कि हादसे में 35 से 38 वर्ष की आयु के तीन पुरुषों और 15 से 56 वर्ष की आयु की तीन महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक शिशु समेत 13 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि 42 वर्षीय चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया था लेकिन उसे बाद में घटनास्थल से कई मील दूर गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने शराब पी रखी थी और वाहन चलाते समय वह नशे में था। वेसाक बौद्ध अनुयायियों का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। यह भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण की स्मृति में मनाया जाता है। यह हर साल मई में पहली पूर्णिमा को मनाया जाता है।

पांचवीं बार हुई पैमाइश, नहीं निकला हल

जौनपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 233 के निर्माण से प्रभावित बलुआ गांव के किसानों के मुआवजे का प्रकरण काफी उलझ गया है। समस्या सुलझाने के लिए राजस्व कर्मियों ने पांच बार पैमाइश की लेकिन समस्या सुलझाने की बजाय उलझती जा रही है। एनएचएआई जमीन अधिग्रहण से संबंधित मुकदमे में जिन किसानों को वादी बनाया था अब उन्हीं किसानों को मुआवजा देने से इनकार कर रही है। किसान परेशान हैं कि जमीन भी जा रही है और मुआवजा भी नहीं मिल रहा है। केराकत तहसील क्षेत्र के बलुआ गांव के 117 किसान प्रभावित हो रहे हैं। उनकी जमीनें अधिग्रहित की जा रही है लेकिन मुआवजा नहीं मिल रहा है। किसान रामविलास,वंशराज ओमप्रकाश हौशला देवी,मायादेवी, महेन्द्र, मेवा,मिठाई सहित 117 किसानों की जमीन जा रही है। 7 किसानों को मुआवजा दिया जा रहा है। शेष किसानों को राजस्व विभाग यह कहकर मुआवजा देने से इनकार कर रहा है कि सड़क के बाद ग्राम समाज की भूमि है। एसडीएम ने पैमाइश करने को निर्देशित किया।पांच बार नायब तहसीलदार व कानून गो के नेतृत्व में राजस्व टीम ने पैमाइश की लेकिन समस्या का हल नहीं निकल सका। किसानों का आरोप है कि पूर्व में राजस्व कर्मी द्वारा की गई गलती को सुधारने की बजाय टीम उसकी गलती को छुपाने में लगी है।इसी लिए समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। राजस्व निरीक्षक दर्शन सिंह के नेतृत्व में आई राजस्व टीम पुनः सोमवार को नापी करने का आश्वासन देकर चली गई।

पैंतीस लाख की लागत से बनेगा नया पंप हाउस

फतेहपुर। नगर क्षेत्र के आवास विकास वार्ड नंबर–2 स्थित अबूनगर पुलिस चौकी परिसर में. नए पंप हाउस निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। करीब पैंतीस लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस पंप हाउस के निर्माण से तीन वार्डों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। परियोजना से लगभग तीस हजार की आबादी सीधे लाभान्वित होगी।

भूमि पूजन कार्यक्रम में सभासद दीपक कुमार मौर्य, विनय तिवारी, श्याम सिंह परिहार, दीपक गौतम, विवेक नागर, नफीस अहमद उर्फ मुन्नी लाला, आशुतोष सिंह कछवाह आशु, गुड्डू यादव, रामसुचित, संजय श्रीवास्तव, विनय सोनी के अलावा पप्पू व्यापी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में वार्डवासियों ने भी सहभागिता कर खुशी जाहिर की। सभासद दीपक कुमार मौर्य ने कहा कि क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ था, जिससे हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। लगातार प्रयासों और नगर पालिका बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पारित होने के बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिली और अब इसका निर्माण कार्य शुरू हो रहा है। उन्होंने बताया कि पंप हाउस के निर्माण के बाद तीन वार्डों के निवासियों को नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। यह परियोजना क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। सभासद ने इस जनहितकारी योजना को स्वीकृति दिलाने एवं क्रियान्वयन में सहयोग के लिए नगर पालिका परिषद के चेयरमैन राजकुमार मौर्य, अधिशासी अधिकारी रविन्द्र कुमार व सभी सभासद साथियों का आभार व्यक्त किया।

बंद पड़े वाटर एटीएम, शौचालयों को शुरू कराने की मांग

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने डीएम को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सोमवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों और व्यापारियों के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को 7 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। मांग किया कि गांधीनगर जलकल स्थित बंद शौचालय एवं वाटर एटीएम के संचालन तथा जनपद के सभी वाटर एटीएम को शुरू कराया जाय। ज्ञापन सौंपने के बाद जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक'' में नगर पालिका परिषद, बस्ती के अधिशासी अधिकारी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि गांधीनगर जलकल परिसर में ''वाटर एटीएम एवं पिंक टॉयलेट संचालित हैं जबकि गांधीनगर जलकल परिसर में कोई पिंक टॉयलेट संचालित नहीं है, बल्कि वहां केवल महिला एवं पुरुष शौचालय निर्मित हैं। उक्त शौचालयों के अंदर एवं बाहर ताला लगा हुआ मिला तथा परिसर में व्यापक गंदगी फैली हुई पाई गई। स्थानीय नागरिकों एवं आसपास के लोगों से

जानकारी प्राप्त करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त शौचालय का नियमित संचालन नहीं किया जाता है और अधिकांश समय यह बंद ही रहता है। कहा कि जनहित में इसे शीघ्र सही कराया जाय। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह 'मनोज' कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे समय में जनपद में स्थापित लगभग 15 वाटर एटीएम बंद पड़े हैं, जिससे आम जनता, राहगीरों, व्यापारियों एवं अन्य नागरिकों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा प्राप्त नहीं हो पा रही है। इसे सही कराया जाय। डीएम को सौंपे 7 सूत्रीय ज्ञापन में गांधीनगर जलकल परिसर स्थित महिला एवं पुरुष शौचालय को तत्काल जनसामान्य के उपयोग हेतु संचालित कराये जाने, शौचालयों की नियमित साफ–सफाई, स्वच्छता सुनिश्चित कराने, गांधीनगर जलकल स्थित बंद वाटर एटीएम को तत्काल चालू कराये जाने, जनपद में स्थापित सभी वाटर एटीएम की जांच कराकर उन्हें नियमित रूप से संचालित कराये जाने, गांधीनगर क्षेत्र सहित जनपद के अन्य स्थानों पर भीषण गर्मी को देखते हुए पर्याप्त पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने, महाराजगंज बाजार में एन एच 27 के सर्विस रोड में आर.सी.सी सड़क के गुणवत्ताविहीन सड़क निर्माण की जांच कराकर मानक के अनुसार निर्माण कराने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल जिला महामंत्री आलोक कुमार दूबे, जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह, नगर अध्यक्ष राणा महेन्द्र प्रताप, उद्योग मंच जिलाध्यक्ष कमलेश चौधरी, महिला मोर्चा वंदना वर्मा, भरतराम बबलू गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, धीरेन्द्र कुमार चौधरी, राम गोपाल सिंह आदि शामिल रहे।

सूदखोरों के चंगुल में फंसे पति, पत्नी ने डीआईजी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। दबंग सूदखोरो के चंगुल में फंसे दुबौलिया थाना क्षेत्र के अजय पुत्र दुखरन के मामले में नया मोड़ आ गया है। दुबौलिया थाना क्षेत्र के मसहा निवासी अजय पुत्र दुःखरन से सूदखोरों ने थाने पर जबरिया सादे कागज पर हस्ताक्षर करा लिया और सुलहनामा बनवाकर दे दिया। सोमवार को सूदखोरों के चंगुल में फसे अजय ने डीआईजी को पत्र देकर मामले में न्याय की गुहार लगाते हुये चेतावनी दिया है कि शीघ्र न्याय न मिला तो वह अपनी पत्नी जो 9 माह की गर्भवती है उसके साथ आत्महत्या कर लेने को मजबूर होंगे। डीआईजी को दिये पत्र में अजय ने कहा है कि गाँव के बगल नचना गुलौरी बुजुर्ग निवासी सुड्डू दूबे सुडडू दूबे पुत्र रामतेज व भीमसिहं उर्फ किशन चन्द सिहं पुत्र स्व० रामकान्त जो ब्याज पर रूपया देने का काम करते है, सुडडू दूबे से 20,000 रूपया अपनी पत्नी के इलाज के लिए लिया था। वह सुडू, दूबे, भीमसिहं को 46,000 रुपया धीरे–2 वापस कर दिया।

12 अप्रैल को उसकी पत्नी को सुडडू दूबे आदि ने बाजार से उठाकर अपने घर बैठाकर जबरदस्ती जेवरात भी ले लिया उसके बाद छोड़ा और एक लाख रूपया की मांग करने लगें जिसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक व अन्य उच्चाधिकारियो को दिया था। इसके बाद उक्त लोग जान से मारने की धमकी देने लगे। 31 मई को उसके घर अमरजीत सरोज, और एक अज्ञात सिपाही पहुंचे और उसे अपने बुलेट बाइक पर बैठाकर थाने ले गये। दोपहर 1 बजे से 5.30 बजे तक उसे सुरेश वरूण दीवान द्वारा उसे डराया धमकाया गया और एक सादे पेपर पर हस्ताक्षर करा लिया गया। उसके बाद सुलहनामा बनाकर उसे दे दिया गया और पुलिस ने उसकी जेब में 500 रुपया रख दिया गया। पढ़ा लिखा न होने के कारण वह सुलहनामा पढ़ नहीं सका और अपने पत्नी के पास आकर बताया पत्नी ने अपने बच्चो से सुलहनामा पढ़वाया तो प्रार्थी ने 112 नं० पर डायल किया। उसने मांग किया है कि सुडडू दूबे व भीमसिंह को जल्द से जल्द उनके खिलाफ कार्यवाही किया जाय। अगर ऐसा नही होता है तो वह अपनी पत्नी जो 9 माह की गर्भवती है दोनों जहर खाकर फॉसी लगाकर अपनी जान दे देगे।

सचौली में गरजा बुलडोजर, सार्वजनिक जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

पयागपुर/बहराइच। जनपद बहराइच के पयागपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत सचौली गांव में सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण

कर बनाए गए आठ अवैध मकानों पर प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की। पूर्व में प्रशासन द्वारा कब्जाधारकों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण ध्वस्त करा दिए। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक निगरानी बनी रही।उप जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक भूमि, रास्तों और सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक साल से सफाईकर्मी विहीन बेलौहा, स्वच्छ भारत मिशन पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के खेसरहा विकास खंड अंतर्गत बेलौहा चौराहे पर पिछले करीब एक वर्ष से स्थाई सफाईकर्मी की तैनाती न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि स्वच्छ भारत मिशन केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद खराब है। बेलौहा चौराहा खेसरहा ब्लॉक का प्रमुख और सबसे व्यस्त चौराहा माना जाता है। यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ब्लॉक मुख्यालय, स्टेट बैंक, ग्रामीण बैंक, उत्तर प्रदेश, विकास इंटर कॉलेज, आईटीआई सहित कई सरकारी संस्थान स्थित हैं। इसके बावजूद नियमित सफाई व्यवस्था न होने से जगह–जगह गंदगी का अंबार लगा रहता है। ग्राम प्रधान तुफैल अहमद ने बताया कि सफाईकर्मी की तैनाती को लेकर उन्होंने फरवरी माह में जिलाधिकारी को शिकायत पत्र भी सौंपा था। जिलाधिकारी द्वारा कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन लगभग छह महीने बीत जाने के बाद भी कोई स्थाई समाधान नहीं निकल सका। प्रधान ने आरोप लगाया कि यदि किसी सफाईकर्मी की तैनाती होती भी है तो वह अधिकतम एक सप्ताह ही यहां कार्य करता है, उसके बाद उसका स्थानांतरण कहीं और कर दिया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर बार–बार ऐसा क्यों हो रहा है और इसके पीछे किसकी मिलीभगत है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार स्वच्छ भारत मिशन को लेकर बड़े–बड़े दावे कर रही है, लेकिन बेलौहा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त पड़ी है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल स्थाई सफाईकर्मी की नियुक्ति कर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

जरूरतमंदों के लिए सहारा बना स्टार हॉस्पिटल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद के पचपेडिया क्षेत्र स्थित स्टार हॉस्पिटल जरूरतमंद मरीजों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का भरोसेमंद केंद्र बनता जा रहा है। हॉस्पिटल के चेयरमैन एतेशाम चौधरी ने बताया कि अस्पताल में मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ अनुभवी चिकित्सकों द्वारा बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष रूप से पेट एवं लीवर संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए यहां प्रत्येक रविवार को विशेषज्ञ सेवाएं दी जा रही हैं। उन्होने बताया कि अस्पताल में डॉ. चन्द्रमोली मिश्रा एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन), डी.एम. (गैस्ट्रो), नई दिल्ली द्वारा मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में गैस, अम्लता, कब्ज एवं अपच जैसी समस्याओं का सटीक उपचार किया जा रहा है। इसके साथ ही लीवर रोग, फैटी लीवर एवं पीलिया से पीड़ित मरीजों को भी बेहतर परामर्श एवं देखभाल मिल रही है। डा. अजीम खान, डा. कनीजा फातिमा, डा. बीना मिश्रा, डा. सुधीर, डा. जैद अहमद खान अपनी सेवाये दे रहे हैं। स्टार हॉस्पिटल में पेट दर्द, अल्सर एवं आंतों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में एंडोस्कोपी एवं कोलोनोस्कोपी जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं भी संचालित हैं, जिससे रोगों की सही पहचान

कर समय पर इलाज संभव हो पा रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों की बेहतर देखभाल उनकी प्राथमिकता है। यहां कार्यरत डॉक्टर, नर्स एवं कर्मचारी मरीजों की सेवा में कोई कमी नहीं रखते और हर मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करते हैं।

डीआईओएस स्तर पर बड़ा फेरबदल, 37 अधिकारियों के तबादले

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए डीआईओएस और उप शिक्षा निदेशक स्तर के 37 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। शासन ने रविवार को तबादला सूची जारी कर नई तैनाती के आदेश जारी किए।जारी सूची के अनुसार, मुरादाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पांडेय को लखनऊ मंडल का संयुक्त शिक्षा निदेशक बनाया गया है। वहीं लखनऊ के डीआईओएस राकेश कुमार पांडेय को गोंडा मंडल में उप शिक्षा निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसके अलावा अयोध्या मंडल के उप शिक्षा निदेशक देवी पाटन मंडल के प्रभारी संयुक्त शिक्षा निदेशक बनाए गए हैं। उन्नाव के जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रमोद कुमार सिंह को बाराबंकी का जिला विद्यालय निरीक्षक नियुक्त किया गया है।कानपुर नगर के डीआईओएस अरुण कुमार राय को प्रयागराज का डीआईओएस बनाया गया है, जबकि प्रयागराज के प्रभारी डीआईओएस विवेक कुमार को संतकबीरनगर का प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक नियुक्त किया गया है।शासन के इस फैसले को माध्यमिक शिक्षा विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर।सोमवार को तहसीलदार सदर

(नौगढ़) देवेंद्र मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता और नायब तहसीलदार विजय कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई) के उपलक्ष्य में नौगढ़ तहसील स्थित सभागार कक्ष में प्तम्बाकू को कहे श्नश विषय पर आधारित जागरूकता गोष्ठी का आयोजन कर लोगों को तम्बाकू और तम्बाकू उत्पादों से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया गया।इस मौके पर पीएलवी राज कुमार , सिद्धार्थ कुमार तथा देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, समाजसेवी धीरज गुप्ता आदि वक्ताओं ने इसके व्यापक दुष्प्रभाव से अवगत कराते हुए आज ही तम्बाकू एवं उसके अन्य उत्पादों से श्नश कहने की आदत डालने की अपील किया।इस कड़ी में वक्ताओं ने कहा कि हम लोग विश्व तंबाकू निषेध दिवसश.पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। हर साल 31 मई का दिन हमें यह याद दिलाने के लिए आता है कि तंबाकू का जहर कितनी तेजी से हमारे समाज और स्वास्थ्य को खोखला कर रहा है। तंबाकू का सेवन दुनिया भर में होने वाली मौतों के सबसे प्रमुख और रोके जा सकने वाले कारणों में से एक है। यह सिर्फ सिगरेट, बीड़ी या गुटखा खाने वाले व्यक्ति को ही नहीं मारता, बल्कि उसके धुएं में सांस लेने वाले (पैसिव स्मोकर्स) लोगों को भी गंभीर रूप से बीमार करता है। तंबाकू के कारण फेफड़े का कैंसर, मुंह का कैंसर, दमा और दिल के दौरे जैसी जानलेवा बीमारियां होती हैं। यह ऐसी आदत है जो व्यक्ति के शरीर के साथ–साथ उसकी पूरी आर्थिक और पारिवारिक स्थिति को भी बर्बाद कर देती है।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने खासकर युवाओं और किशोरों को तंबाकू से दूर रहकर एक स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन जीने की अपील किया और एक नशामुक्त और स्वस्थ समाज का निर्माण का संकल्प दिलाया।इस मौके पर तहसीलदार देवेन्द्र मणि त्रिपाठी, नायब तहसीलदार सदर विजय कुमार श्रीवास्तव, पेशकार सूरज त्रिपाठी, विजय कुमार, कानूनगो गिरीश चन्द्र मिश्र, दिलीप कुमार मौर्य, महेंद्र, वेदव्यास शुक्ल, शैलेश कुमार, प्रज्ञा श्रीवास्तव,रमेश दुबे, प्रीतिलता पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहे।

आचार्य चाणक्य: एक अपमान जिसने मौर्य साम्राज्य को दिया जन्म

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। 1 जून को अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस महान दार्शनिक, रणनीतिकार, शिक्षक और अर्थशास्त्री आचार्य चाणक्य की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिवस ब्राह्मण समाज के ज्ञान, समाज कल्याण में उनके योगदान तथा सनातन परंपरा और संस्कृति की रक्षा के लिए किए गए कार्यों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। भारतीय इतिहास में आचार्य चाणक्य का नाम अद्वितीय सम्मान के साथ लिया जाता है। वे अपनी बुद्धिमत्ता, दूरदर्शिता, कूटनीति और .ढ़ निश्चय के लिए प्रसिद्ध थे। राजनीति, अर्थशास्त्र और शासन व्यवस्था पर उनकी गहरी पकड़ थी, जिसके कारण उन्हें भारत के महानतम रणनीतिकारों में गिना जाता है। लोककथाओं और प्रचलित वर्णनों के अनुसार, एक बार मगध के राजा घनानंद ने पाटलिपुत्र में एक विशाल दान समारोह आयोजित किया। इस समारोह में पहुंचे आचार्य चाणक्य का राजा ने उनके साधारण पहनावे और स्वरूप के कारण अपमान कर दिया तथा उन्हें सभा से बाहर

निकलवा दिया। कहा जाता है कि इस घटना से आहत होकर चाणक्य ने अपनी शिखा खोलते हुए प्रण लिया कि जब तक नंद वंश का अंत नहीं कर देंगे, तब तक उसे पुनः नहीं बांधेंगे। इसके बाद उन्होंने अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यापक रणनीति तैयार की। विभिन्न कथाओं में उल्लेख मिलता है कि उन्होंने गुप्तचरों का एक मजबूत तंत्र विकसित किया और राजनीतिक परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए नंद शासन को चुनौती दी। हालांकि बसंती नामक गुप्तचर, विषप्रयोग और घनानंद की मृत्यु से जुड़ी कई कहानियां लोकश्रुतियों का हिस्सा है जिनके ऐतिहासिक प्रमाण सीमित हैं। इसी दौरान उनकी मुलाकात युवा चंद्रगुप्त मौर्य से हुई। चाणक्य ने उन्हें शिक्षित और प्रशिक्षित किया तथा उनके नेतृत्व में नंद साम्राज्य का अंत हुआ। इसके बाद मौर्य साम्राज्य की स्थापना हुई, जिसने भारतीय इतिहास में एक नए युग की शुरुआत की। आज भी आचार्य चाणक्य के विचार, नीतियां और शिक्षाएं प्रशासन, राजनीति, नेतृत्व और जीवन प्रबंधन के क्षेत्र में मार्गदर्शक मानी जाती हैं। अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस पर उनके ज्ञान, त्याग और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है।

सनातन धर्म की रक्षा के संकल्प के साथ पैड़ाधाम से बागेश्वर धाम तक पदयात्रा, 25वें दिन बांदा पहुंचे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सनातन धर्म की रक्षा, धार्मिक जागरण तथा बस्ती जनपद में बागेश्वर धाम की कथा कराने के संकल्प के साथ पैड़ाधाम के महंथ गोविन्द दास महाराज उर्फ पैड़ा वाले बाबा द्वारा निकाली जा रही पदयात्रा लगातार आगे बढ़ रही है। करीब 25 दिन पूर्व पैड़ाधाम से प्रारम्भ हुई यह यात्रा अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करते हुए सोमवार को बांदा जनपद पहुंच गई। यात्रा के 25वें दिन बांदा में मीडिया से बातचीत करते हुए महंथ गोविन्द दास महाराज ने कहा कि उनका संघर्ष अंतिम सांस तक सनातन धर्म की रक्षा और उसके प्रचार–प्रसार के लिए जारी रहेगा। महंथ गोविन्द दास महाराज ने कहा कि उन्होंने बस्ती में बागेश्वर धाम की कथा आयोजित कराने तथा सनातन संस्कृति के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया है। इसी उद्देश्य को लेकर वे पैदल यात्रा करते हुए बागेश्वर धाम की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं बल्कि सनातन धर्म के प्रति समर्पण और समाज को एकजुट करने का अभियान है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों तथा धर्मप्रेमियों का भरपूर सहयोग

मिला। कई लोगों ने भोजन, पानी, विश्राम और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं, जिससे यात्रा को आगे बढ़ाने में काफी मदद मिली। उन्होंने ऐसे सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के लोगों का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। महंथ गोविन्द दास महाराज ने दावा किया कि यात्रा को बाधित करने के लिए कुछ असामाजिक और विरोधी तत्वों द्वारा विभिन्न प्रकार की परेशानियां खड़ी की गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि यात्रा को असफल बनाने की नीयत से उन्हें विषाक्त पदार्थ तक खिलाने का प्रयास किया गया। हालांकि उन्होंने कहा कि ईश्वर की .पा, श्रद्धालुओं के आशीर्वाद और अपने अटूट विश्वास के कारण उनका मनोबल कभी कमजोर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, "सनातन धर्म की सेवा मेरा जीवन लक्ष्य है। चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं। कुछ लोगों ने यात्रा को रोकने की कोशिश की, लेकिन इससे मेरा संकल्प और मजबूत हुआ है। मैं अंतिम सांस तक सनातन धर्म की रक्षा और उसके प्रचार के लिए संघर्ष करता रहूंगा।" महंथ गोविन्द दास महाराज ने यह भी कहा कि उनका .ढ़ प्रण है कि बस्ती में बालाजी सरकार एवं बागेश्वर धाम की कथा अवश्य कराई जाएगी। इसके लिए वे लगातार प्रयासरत हैं और उन्हें विश्वास है कि श्रद्धालुओं तथा सनातन प्रेमियों के सहयोग से यह संकल्प शीघ्र पूरा होगा। पदयात्रा के दौरान विभिन्न जिलों और गांवों से गुजरते हुए बाबा लोगों को सनातन संस्कृति, धार्मिक मूल्यों और सामाजिक एकता का संदेश भी दे रहे हैं। उनके साथ चल रहे समर्थकों का कहना है कि यह यात्रा धार्मिक जागरण के साथ–साथ समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का माध्यम बन रही है। बांदा पहुंचने पर स्थानीय श्रद्धालुओं ने महंथ गोविन्द दास महाराज का स्वागत किया और उनकी यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। यात्रा आगामी दिनों में बागेश्वर धाम की ओर आगे बढ़ेगी।

पुलिस मुठभेड़ में तस्कर गिरफ्तार, 58.75 लाख का मादक पदार्थ बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराधियों एवं मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 01.06.2026 को थाना चोपन पुलिस, थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस एवं एसओजी टीम द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध सफेद रंग की कार को रोकने का प्रयास किया गया, किन्तु चालक द्वारा वाहन को तेज गति से भगाते हुए भागने का प्रयास किया गया। पीछा करने पर अभियुक्तों द्वारा पुलिस वाहन को कई बार टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस दौरान सलखन क्षेत्र में एसओजी का वाहन खराब हो गया, जिस पर स्थानीय निवासी भीप्रदीप कुमार मोदनवाल पुत्र विप्रराज निवासी सलखन, थाना चोपन द्वारा तत्काल अपनी निजी स्विट डिजायर कार संख्या न्च्64 |त्4118 उपलब्ध कराकर पुलिस टीम की सहायता की गई। पुलिस टीम द्वारा लगातार पीछा करते हुए विरंजुआ, थाना रामपुर बरकोनिया क्षेत्र में घेराबंदी की गई। पुलिस द्वारा लगातार

पीछा किए जाने के दौरान अभियुक्त गणों द्वारा पुलिस पार्टी को दिखाकर नोटों की गड्डियां भ्रमित करने के उद्देश्य से फेंकी जाने लगी लेकिन पुलिस पार्टी द्वारा पीछा नहीं छोड़ा गया जिस पर अभियुक्त गण द्वारा अपनी गाड़ी बैककर प्रदीप मोदनवाल की प्राइवेट गाड़ी में भी टक्कर मार दिया गया फिर भी पुलिस पार्टी द्वारा पीछा नहीं छोड़ा गया और अपनी घेराबंदी मजबूत की गई जिस पर स्वयं को घिरा हुआ देखकर अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई।

आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एक अभियुक्त प्रिंस पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी ख्वाजके, थाना मेहरबान, जनपद लुधियाना (पंजाब), उम्र लगभग 27 वर्ष, पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरतार कर लिया गया। उसका एक अन्य साथी अंधेरे एवं पहाड़ी क्षेत्र का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। मौके का निरीक्षण उच्चाधिकारीगण द्वारा किया गया। गिरतारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना चोपन पर मु0अ0सं0 212/2026, धारा 109(1) बीएनएस, 3/25 आर्म्स एक्ट तथा 8/18/25/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजी.त कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनपद की समस्त नगर पंचायतों एवं नगर पालिका परिषद में चला स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशों के क्रम में

जनपद की समस्त नगर पंचायतों एवं नगर पालिका परिषद में स्वच्छता अभियान के द्वितीय दिवस व्यापक स्तर पर नालों एवं नालियों की सफाई कराई गई। अभियान का उद्देश्य बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से राहत दिलाना तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है। अभियान के दौरान सफाई कर्मियों द्वारा प्रमुख नालों, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों की विशेष साफ–सफाई की गई। कार्यों की नियमित निगरानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जा रही है, जिससे अभियान की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। संबंधित अधिशासी अधिकारियों को सफाई कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने तथा अभियान को निरंतर गति प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छता जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सभी नगर निकायों को साफ–सफाई व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाने तथा नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयास करने होंगे।

अधूरा काम, पूरा भुगतान का खेल ? आरओ प्लांट में धन का बंदरबांट का आरोप

कुशीनगर,। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 15 वें वित्त आयोग के तहत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशुनपुरा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत मनिकौरा में लगाया जा रहा आरओ प्लांट ग्राम प्रधान व सेक्रटरी के मिलीभगत से भ्रष्टाचार की भेट चढ गया है। बताया जाता कि लगभग 4 लाख 64 हजार रुपये की लागत वाली इस परियोजना में प्रधान व सचिव द्वारा भारी वित्तीय अनियमितता और बंदरबांट की गई है। हैरानी की बात यह है कि कार्य अभी पूरी तरह समाप्त भी नहीं हुआ, लेकिन अब तक 3 लाख 66 हजार रुपये का भुगतान कर दिया गया है जो अपने आप मे सवाल है?।

बताते चलें कि केंद्र सरकार का गांवो मे आरओ प्लांट लगाने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छ, सुरक्षित और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। ताकि ग्रामीणों को जल जनित बीमारी सहित अन्य रोगो की रोकथाम हो सके। ग्रामसभा मनिकौरा के ग्राम सचिवालय परिसर में जो आरओ प्लांट लगाया गया है, उसके नीचे निर्माण कराये गये चबुतरा में घटिया और दोयम दर्जे की ईंटों का प्रयोग किया गया है। ग्राउंड जीरो पर की गयी पडताल के मुताबिक आरओ प्लांट के नाम पर केवल एक छोटा चबूतरा, लोकल क्वालिटी की टाइल्स, साधारण मशीन और मशीन की सुरक्षा के लिए प्लाई से बना घेरा खड़ा कर दिया गया है। स्थानीय निर्माण कार्यों की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि मौके पर हुए कुल कार्य की वास्तविक लागत डेढ़ लाख रुपये से कम दिखाई दे रही है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर शेष लाखों रुपये कहां खर्च हुए?।

पूरा काम नहीं, फिर भी भुगतान कैसे? ——सबसे बड़ा सवाल भुगतान प्रक्रिया को लेकर खड़ा हो रहा है। नियमों के अनुसार 15 वें वित्त आयोग की योजनाओं में किसी भी कार्य का भुगतान तभी किया जाता है जब कार्य पूर्ण हो जाए और उसका तकनीकी सत्यापन हो। इसके लिए जेई, एडीओ पंचायत सहित संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर निरीक्षण, माप पुस्तिका (एमबी) तैयार करना, जियो टैगिंग, फोटो ग्राफी और गुणवत्ता परीक्षण जैसी प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके बाद ही भुगतान की अनुमति दी जाती है। लेकिन अफसोस ग्राम पंचायत मनिकौरा में मामला उल्टा नजर आ रहा है। ग्राम प्रधान और सचिव नियम विरुद्ध व मनमाने तरीके से कार्य शुरू होने से पहले ही 3 लाख 66 हजार रुपये निकालकर धन का बंदरबांट कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो कार्य पूर्ण हुआ और न ही सभी औपचारिकताएं पूरी हुईं, इसके बावजूद लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया। इससे ग्राम प्रधान नंदलाल साहनी और सचिव राजकिशोर राय की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

प्रधान का जवाब बना चर्चा का विषय—— जब ग्राम प्रधान नंदलाल साहनी से अधूरे कार्य के बावजूद भारी भुगतान को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बेहद लापरवाह और बेअंदाज लहजे में कहा आप लोगों से क्या मतलब? अभी काम पूरा नहीं हुआ है।अधिकारी पूछेंगे तो हम उनसे बात कर लेंगे। इतना ही नहीं, प्रधान ने यह भी स्वीकार किया कि कार्य पूरा होने से पहले भुगतान किया गया है। उन्होंने इसे "रनिंग पेमेंट" बताते हुए कहा कि बाकी पैसा बाद में मिलेगा। हम अधिकारियों से बात कर लेंगे३ पांच बार से प्रधान हैं। प्रधान का यह बयान गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो सरकारी नियम–कानून नहीं बल्कि व्यक्तिगत रसूख और अधिकारियों से 'सेटिंग' के भरोसे योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या अब सरकारी योजनाओं में गुणवत्ता और प्रक्रिया से ज्यादा महत्व 'बात कर लेने' की क्षमता पर ही सरकारी योजनाएं संचालित हो रही है। वही सबसे मजे की बात यह है कि जब ग्राम पंचायत सचिव से आरओ प्लांट के कुल बजट और खर्च के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था। सचिव ने बडे ही निर्लज्जता से कहा बजट से क्या मतलब?। आप अपनी मंशा बताइए। सचिव यहीं नहीं रुके। उन्होंने दावा किया कि जितना पैसा निकाला गया है उतना काम पूरा हो गया है। जरूरत पड़ेगी तो प्रस्ताव कर बजट बढ़ाकर काम करा दिया जाएगा। सचिव के इस बयान ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अधूरे निर्माण पर लाखों रुपये का भुगतान और फिर प्रधान और सचिव जैसे जिम्मेदारों के बेलगाम बयान इस बात की तरफ इशारा कर रहा हैं कि कहीं न कहीं बड़े स्तर पर मिलीभगत का खेल चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के विकास के नाम पर सरकारी धन को खुलेआम लूटा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि यही हाल रहा तो योजनाएं सिर्फ कागजों में पूरी होंगी और जनता को केवल घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार ही मिलेगा। ग्राम प्रधान और सचिव की कारस्तानी पर उठ रहे सवाल—— 15 वें वित्त आयोग की योजनाओं में कार्य पूर्ण हुए बिना भुगतान किस आधार पर किया गया? एमबी (माप पुस्तिका) किसने तैयार की, जियो टैगिंग और गुणवत्ता सत्यापन कब हुआ वास्तविक लागत और भुगतान की राशि में इतना अंतर क्यों? क्या अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ?।

इनसेट—— कागजों में विकास, जमीन पर सवाल—— ग्राम पंचायत मनिकौरा का यह आरओ प्लांट अब गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कागजों में विकास दिखाकर सरकारी धन का बंदरबांट किया गया है। यदि समय रहते मामले की जांच नहीं हुई तो ग्रामीण योजनाओं पर लोगों का भरोसा पूरी तरह खत्म हो जाएगा और प्रधान व सचिव ऐसे ही सरकारी धन का बंदरबांट करते रहेगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस वित्तीय अनियमितता पर जिला प्रशासन व विभाग कार्रवाई करता है या फिर प्रधान के कथनानुसार अधिकारियों से बात कर लेगें पर मामला खत्म हो जाता है।

जायसवाल समाज कल्याण सेवा संस्था का राष्ट्रीय समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। रविवार को एस एस ग्रांड्योर होटल प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में राष्ट्रीय समीक्षा बैठक हुआ। बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष विनय जायसवाल व कार्यक्रम के आयोजक महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितू गुप्ता शकुशल संचालन कर रही महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रेखा जायसवाल, जायसवाल समाज कल्याण सेवा संस्था की समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने अपने वक्तव्यो में कहा संस्था के राष्ट्रीय पदाधिकारी व प्रदेश पदाधिकारियों को को अपनी जिम्मेदारी के साथ संस्था को मजबूत करे और जिलेवार दौरा कर जिलाध्यक्ष से संपर्क कर लोगो को जोड़ने का काम करे और प्रदेश अध्यक्ष विनय जायसवाल ने जिलाध्यक्षो को बारी–बारी से समीक्षा की और जिलाध्यक्षो को संस्था मे लोगो को जोड़ने और संस्था की नितियों व विचार धारा को समाज के निचले स्तर तक पहुंचाने का निर्देश दिया इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र जायसवाल राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश जायसवाल , महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितू गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद जायसवाल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, प्रदेश सचिव मुन्ना लाल जायसवाल, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रेखा जायसवाल ,महिला मोर्चा प्रदेश सचिव मोना जायसवाल , महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष (लखनऊ) रीना गुप्ता, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रागिनी जायसवाल, सुमन जायसवाल, मंजू जायसवाल (बरेली) जिलाध्यक्ष ब्रिजेश जायसवाल (सिद्धार्थ नगर) जिलाध्यक्ष मुकेश जायसवाल (महाराज गंज) जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल जायसवाल (मुजफरनगर) जिलाध्यक्ष कमल वालिया (रायबरेली) ,जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र जायसवाल (उन्नाव) जिलाध्यक्ष गुड्डू जायसवाल आदी सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध सिद्ध पीठ बाबा श्री सिद्ध नाथ सिधुवा मंदिर के उत्तराधिकारी बने महंत राजनाथ

कुशीनगर। जनपद के पडरौना नगर की सीमा से सटे प्रसिद्ध सिद्ध पीठ बाबा सिद्ध नाथ सिधुआ स्थान के नए महंत उत्तराधिकारी के रूप में राजनाथ गद्दी पर आसीन हुए। सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चर के बीच भिन्न मठ मंदिरों के महंत, साधु, संतो ने उत्तराधिकारी की गद्दी पर आसीन कराया। तिलक लगा कर अंग वस्त्र ओढाया। सिधुआ स्थान के महंत योगेश्वरनाथ ने राजनाथ को चादर ओढाकर गद्दी पर आसीन कराया। महंत राजनाथ वर्तमान महंत योगेश्वरनाथ के पुत्र है। विदित हो की प्रत्येक वर्ष 2 जून को बाबा सिद्धनाथ सिधुवा मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जाता है। एक दिन पूर्व अखण्ड भजन कीर्तन का आयोजन होता है। इस अवसर पर महंत योगेश्वर नाथ ने अपने पुत्र राजनाथ को महंत की गद्दी पर साधु संतो की मौजूदगी में आसीन कराया। 2 जून को बाबा सिद्धनाथ का वार्षिकोत्सव व भंडारे का आयोजन होगा। इस अवसर पर विश्मभर दास महाराज बगही कुटी, बालकदास अयोध्या, सतेन्द्रगिरी पत्थेलेश्वरनाथ् स्थान, रामनयनदास रामायणी, राम जानकी मंदिर कसया, महंत रामबालक दास त्यागी, महंत दीपकनाथ मगरूआ कुटी, श्री दासजी महाराज, प्रदीप गोयल, अश्वनी पाण्डेय, धनंजय दीक्षित सुनील, अनिल पाण्डेय, आलोक शुक्ला, बबलु पाठक, महेन्द्र दूबे, मनोज पाण्डेय, शांति भूषण पाठक, शैलेश कुमार उपाध्याय, शैलेश मिश्र सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पांचवें बड़े मंगल पर सुंदर कांड, भजन व महा भंडारा 2 जून को, तैयारियां पूरी

कुशीनगर,। जनपद के घ्तमकुही विकास खंड के ग्राम पंचायत राजापाकड़ स्थित जीतेश्वर शिव मंदिर, जानकी रमण सरकार मंदिर व पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर राजापाकड़ धाम में ज्येष्ठ माह के पांचवें बड़े मंगल के 2 जून को आयोजित होने वाले सुंदर कांड पाठ, भजन–कीर्तन व महाभंडारे की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। घ्आयोजक यज्ञ समिति के अध्यक्ष राजू यादव व व्यवस्थापक मुकेश यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि 2 जून मंगलवार को पूर्वाह्न 10 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे से सुप्रसिद्ध लोकगायक सत्या नादान व लोकगायिका काजल सिंह भजनों की प्रस्तुति देंगी। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं व राहगीरों के लिए शीतल शर्बत की व्यवस्था की गई है। अपराह्न दो बजे से विशाल महाभंडारे का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की संभावना है। घ्उन्होंने बताया कि आयोजन को भव्य व सुव्यवस्थित बनाने के लिए मंदिर परिसर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, बैठने की व्यवस्था, पेयजल व प्रसाद वितरण की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस दौरान पुजारी बोलार बाबा, सुनील मिश्र, यज्ञ समिति के मृत्युंजय सिंह मोनू, सत्यनारायण यादव, विजय श्रीवास्तव, सोनू सिंह, राणा प्रताप सिंह, विष्णु सिंह, पप्पू यादव, ईश्वरचंद गुप्त, राज नारायण उर्फ चुन्नू मिश्र, भोलू यादव, अनूप गोंड, रवि वर्मा, हरेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, रामप्रीत गोंड, धर्मराज यादव, जोखू यादव, तूफानी यादव, अनिल यादव, आनंद गोड़ व सागर कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

प्रसव के दौरान महिला की मृत्यु के प्रकरण में 10,000 रुपये की इनामिया स्टाफ नर्स गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। ज्ञातव्य है कि कस्बा कोन में अवैध रूप से संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल में प्रसव पीड़ा के दौरान कथित फर्जी चिकित्सकीय उपचार एवं ऑपरेशन के दौरान आशा बहू सीमा देवी की मृत्यु हो जाने के संबंध में थाना कोन पर मु0अ0सं0–104/2026, धारा 105, 318(4) बीएनएस एवं 34 एनएमसी एक्ट के तहत अभियोग पंजी.त किया गया था। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर उक्त प्रकरण में वांछित एवं घ्10,000 की पुरस्कार घोषित अभियुक्ता सलमा पत्नी आसिफ मोहम्मद निवासी देवाटन, थाना कोन, जनपद सोनभद्र तथा उसकी सहयोगी दाई जौरुन बीबी पत्नी करीमन निवासी सिसरी बनखेता, थाना खरौंधी, जनपद गढ़वा (झारखंड) को थाना कोन पुलिस द्वारा गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

हत्या का सफल अनावरण, पिता की हत्या करने वाला पुत्र गिरतार, आला कत्ल बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष म्योरपुर के कुशल नेतृत्व में थाना म्योरपुर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना म्योरपुर पर पंजी.त मु0अ0सं0–64/2026 धारा 103(1) बीएनएस से संबंधित हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए पुलिस ने मृतक के पुत्र को गिरतार किया है। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल भी बरामद किया गया है। 29.05.2026 को थाना म्योरपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कुण्डाडीह निवासी राजदेव सिंह की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके संबंध में थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0–64/2026 धारा 103(1) बीएनएस पंजी.त कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमों द्वारा साक्ष्य संकलन, इलेक्ट्रॉनिक एवं तकनीकी विश्लेषण तथा संबंधित व्यक्तियों से गहन पूछताछ की गई। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों, मुखबिर सूचना एवं अन्य तथ्यों के आधार पर मृतक के पुत्र रवि कुमार पुत्र राजदेव सिंह निवासी कुण्डाडीह थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र की भूमिका संदिग्ध पाई गई। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसके पिता के एक महिला से अवैध संबंधों को लेकर परिवार में लगातार विवाद होता रहता था, जिससे वह मानसिक रूप से अत्यंत आक्रोशित एवं क्षुब्ध था। 29.05.2026 को अभियुक्त ने योजनाबद्ध तरीके से अपने पिता को जमीन दिखाने के बहाने जंगल क्षेत्र में बुलाया तथा सुनसान स्थान पर ले जाकर पहले गमछे से दबाव बनाकर गिराया, तत्पश्चात पत्थर से सिर पर वार किया तथा सर्जिकल ब्लेड से गला काटकर हत्या कर दी। घटना के उपरांत अभियुक्त ने साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया तथा स्वयं ही अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक अदद सर्जिकल ब्लेड, एक अदद खूनालूदा पत्थर का टुकड़ा तथा मृतक की मोटरसाइकिल की चाबी बरामद की गई। उक्त बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 238(ए) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।

अभियुक्त को अवैध तमंचा एवं जिंदा कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना चोपन पर पंजी.त मु0अ0सं0 203/2026 से संबंधित अभियुक्त दीपक कुमार पासवान पुत्र स्व0 राजेश पासवान निवासी ग्राम रोगही, थाना कोन, जनपद सोनभद्र के संबंध में प्राप्त सूचना एवं वायरल वीडियो की जांच के दौरान पुलिस टीम तेलगुड़वा चौराहे पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना दी गई कि उक्त अभियुक्त, जिसने कुछ दिन पूर्व मारपीट एवं जान से मारने की धमकी दी थी, अवैध असलहे के साथ संबंधित व्यक्तियों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से जा रहा है तथा इस समय भारत ह्यूम पाइप प्लांट के पास, कोटा टोला नौटोलिया क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर विश्वास कर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखकर अभियुक्त भागने का प्रयास करने लगा, किन्तु पुलिस कर्मियों द्वारा तत्परता एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम दीपक कुमार पासवान पुत्र स्व0 राजेश पासवान निवासी ग्राम रोगही, थाना कोन, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 26 वर्ष बताया। तलाशी लेने पर अभियुक्त के कब्जे से उसकी पैंट की कमर में खोंसा हुआ एक अदद देशी तमंचा .315 बोर तथा एक अदद जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त को गिरतार कर थाना चोपन पर मु0अ0सं0 211/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजी.त कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

हेमा मालिनी की खूबसूरती से नजरें नहीं हटा पाई थीं पूनम ढिल्लों, धर्मेंद्र को लेकर भी सुनाया मजेदार किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने आईएएनएस से खास बातचीत में हिंदी सिनेमा के दिग्गज सितारों हेमा मालिनी और धर्मेंद्र से जुड़ी कई यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब उन्हें फिल्मों और बड़े सितारों की दुनिया की बिल्कुल भी समझ नहीं थी। लेकिन, जैसे–जैसे उन्होंने काम किया, वैसे–वैसे उन्हें इन कलाकारों की असली शख्सियत को करीब से जानने का मौका मिला। आईएएनएस से बात करते हुए पूनम ढिल्लों ने कहा, मेरी पहली फिल्म त्रिशूल का पहला शॉट महानायक अमिताभ बच्चन के साथ था, लेकिन जब मैंने पहली बार हेमा मालिनी के साथ काम किया, तो मैं उनकी खूबसूरती देखकर हैरान रह गई थी। मैं उनके चेहरे से अपनी नजर नहीं हटा पा रही थी। उनकी आंखें, उनके होंठ और उनकी पूरी पर्सनैलिटी काफी आकर्षक थी। आज भी हेमा मालिनी उतनी ही खूबसूरत लगती हैं। पूनम ने कहा, आज भी अगर कोई लड़की अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, तो वह कहीं न कहीं हेमा मालिनी जैसी बनने की इच्छा जरूर रखती है। मैंने हेमा मालिनी के साथ फिल्म दर्द में काम किया था, जिसमें राजेश खन्ना डबल रोल में नजर आए थे। इसके अलावा, एक चादर मैली सी जैसी फिल्मों में भी उनके साथ स्क्रीन साझा की। फिल्मों के अलावा भी हमारी मुलाकातें होती रहती थीं और हेमा मालिनी हमेशा बेहद प्यार और अपनापन देती थीं।

बातचीत के दौरान पूनम ढिल्लों ने धर्मेंद्र से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, मैंने धर्मेंद्र के साथ छह–सात फिल्मों में काम किया, हालांकि रोमांटिक लीड के तौर पर मैं कभी उनके साथ नजर नहीं आईं। हम एक फिल्म की शूटिंग ऊंटी में कर रहे थे और वहां अभिनेत्री स्मिता पाटिल भी मौजूद थीं। सेट पर सभी लोग धर्मेंद्र को प्यार से धर्म पाजी कहकर बुलाते थे। यह देखकर मैं और स्मिता भी उन्हें पाजी कहने लगे।

पूनम ढिल्लों ने आगे बताया, हमसे पाजी सुनने के बाद एक दिन धर्मेंद्र ने मजाक में कहा, इन कुड़ियों को बोलो मुझे पाजी न कहा करें। धर्मेंद्र के साथ एक बेहद खास और अपनापन भरा रिश्ता महसूस होता था। जब भी वह मिलते थे, हमेशा खुशी से मिलते थे। मैंने हेमा–धर्मेंद्र जी के अलावा, सनी देओल के साथ भी कई फिल्मों में काम किया है।

इंटरव्यू के दौरान पूनम ढिल्लों ने फिल्म इंडस्ट्री में बदलते दौर और बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आज काम कम नहीं हुआ है, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। अब फिल्में बन रही हैं, टेलीविजन पर भी काम हो रहा है और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी लगातार नया कंटेंट आ रहा है। लेकिन इसके साथ एक चीज और हुई है– एक्टर्स की संख्या भी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। पहले एक दौर था जब ज्यादातर मुंबई बेस्ड लोग ही फिल्मों में काम करने आते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को जोड़ दिया है। इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोग सीधे फिल्ममेकर्स तक पहुंच पा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, आज कोई भी टैलेंटेड इंसान, चाहे वह उत्तर प्रदेश में बैठा हो, बिहार में हो या पंजाब में, अपनी रील्स और वीडियोज के जरिए फिल्ममेकर्स तक पहुंच सकता है। फिल्ममेकर्स भी अलग–अलग जगहों के टैलेंट को देख पा रहे हैं। वे कहते हैं कि अरे, ये एक्टर कितना अच्छा है, इसकी रील देखी क्या?, ये कितना अच्छा डांसर है इसलिए अब इंडस्ट्री में पहले से कहीं ज्यादा नए लोग आ रहे हैं। मुझे लगता है कि इसी वजह से पुराने कलाकारों को कभी–कभी महसूस होता है कि उनके पास काम कम हो गया है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। काम तो बढ़ा है, बस अब विकल्प ज्यादा हो गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में कलाकारों और टेक्नीशियंस दोनों के लिए मौके हैं, लेकिन किसी भी तरह के विवाद का नुकसान छोटे लोगों को नहीं होना चाहिए। प्रोड्यूसर्स और टेक्नीशियंस के बीच अगर कोई टकराव होता है, तो सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को होती है जो रोज काम करके अपना घर चलाते हैं। इसलिए इंडस्ट्री में हर समस्या का हल बातचीत और समझदारी से निकलना चाहिए।

करिश्मा कपूर की ब्राउन का ट्रेलर आउट, कोलकाता की पृष्ठभूमि पर सुलझेगी बेरहम हत्याओं की गुत्थी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज ब्राउन के मेकर्स ने शनिवार को कोलकाता में ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित एक डार्क साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर है। यह सीरीज कोलकाता की रहस्यमयी पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसके केंद्र में करिश्मा का किरदार रीटा ब्राउन है, जिसे करिश्मा कपूर निभा रही हैं। रीटा कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में गिनी जाती थीं, लेकिन अब वह बदनाम हो चुकी हैं और शराब की लत से जूझ रही हैं। साथ ही, उसका अतीत उसे लगातार परेशान करता रहता है। कहानी तब नया मोड़ लेती है, जब शहर में एक के बाद एक कई बेरहमी से हत्याएं होने लगती हैं। इन हत्याओं की शुरुआत एक बड़े कारोबारी की बेटी की हत्या से होती है। इसके बाद रीटा को मजबूरी में फिर से जांच के लिए सिस्टम में लौटना पड़ता है। इस दौरान वह इंस्पेक्टर अर्जुन नामक एक युवा और परेशान अधिकारी के साथ मिलकर मामले की जांच करती है। जांच के दौरान दोनों ऐसे रहस्यों और सच्चाइयों का सामना करते हैं, जो उन्हें एक ऐसे कोलकाता से रूबरू कराते हैं, जो पहले से कहीं ज्यादा भ्रष्ट, बिखरा हुआ और खतरनाक बन चुका है।

वेब सीरीज में अभिनेत्री पुलिस अधिकारी रीटा ब्राउन का किरदार निभा रही हैं, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने लंबे करियर में पहले कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया है। रीटा ब्राउन का किरदार जितना अपने साहस के लिए मजबूत है, उतना ही अपनी कमजोरियों और खामोशी के कारण भी खास और प्रभावशाली है।

उन्होंने कहा, रीटा ब्राउन मेरे द्वारा पहले निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। वह कई कमियों के साथ जीती है, भावनात्मक रूप से कमजोर और टूटी हुई है, लेकिन इसके बावजूद वह जिंदगी की हर चुनौती का डटकर सामना करती है। यही बात उसे बेहद मजबूत और खास बनाती है।

अभिनेत्री ने बताया कि वेब सीरीज की भावनात्मक सच्चाई ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसमें न तो दर्द को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया गया है और न ही इंसानी रिश्तों को आसान बनाकर पेश किया गया है। कहानी बिल्कुल वास्तविक है।

अभिनेता जिश्शु सेनगुप्ता ने बताया, मुझे ब्राउन की सबसे खास बात यह लगी कि इसकी कहानी धीरे–धीरे कई परतों में खुलती है। इसमें सस्पेंस के साथ–साथ भावनात्मक गहराई भी हैं। एक अभिनेता के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना काफी दिचस्प होता है। इसके अलावा, कोलकाता को कहानी का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बनते देखना मेरे लिए और भी खास अनुभव रहा।

डायरेक्टर अभिनय देव के लिए, यह सिर्फ एक क्राइम स्टोरी नहीं है, बल्कि यह उन टूटे हुए लोगों की कहानी है जो एक टूटे हुए सिस्टम में अपनी जिंदगी का मकसद और छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे हैं। रीटा ब्राउन का किरदार अंदर और बाहर से कई परतों वाला है। हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते थे जो असली लगे, जहां हर कैरेक्टर ग्रे शेड्स में काम करता हो। यह कहानी इंसाफ और नैतिकता के बारे में हमारी सोच को चुनौती देती है, जिससे यह एक बहुत ही दिलचस्प अनुभव बन जाती है।

जी5 हिंदी की बिजनेस हेड, कावेरी दास ने कहा, ब्राउन आज के आम क्राइम थ्रिलर से बिल्कुल अलग है, क्योंकि यह इस बात पर नहीं चलती कि गुनहगार कौन है, बल्कि यह अपने कैरेक्टर्स की गहराई में उतरती है। उनकी कमियां, उनके पुराने जख्म, और उनके साथ जुड़ा इमोशनल बोझ। असल में, यह सीरीज उन टूटे हुए और उलझे हुए लोगों की कहानी है जो बिल्कुल असली और बिना किसी बनावट के लगते हैं।

तेलुगु और तमिल फिल्मों में दिलचस्पी, मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी, बताई वजह

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म श्परम सुंदरीच्च में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म श्देवरारू पार्ट 1च्च से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा

मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं। साल 2018 में फिल्म श्धड़क्च्च से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर श्गुंजन सक्सेनाच्च, श्मिलीच्च और श्देवरारू पार्ट 1च्च जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी। पेड्डी एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट पेड्डी की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म श्पेड्डीच्च की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है, 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है।

हंस राजयोग लाएगा अपार धन, 6 राशियों को मिलेगा Career Growth का वरदान

कर्क राशि में 02 जून 2026 को गुरु का गोचर होने जा रहा है। इस गोचर के साथ पंच महापुरुष राजयोग में से एक हंस राजयोग का भी निर्माण होगा। जब भी अपनी उच्च राशि में गुरु गोचर करते हैं, तो हंस राजयोग का निर्माण होता है। हंस राजयोग बेहद शक्तिशाली राजयोग है। 02 जून से 31 अक्तूबर तक गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में विराजमान रहेंगे और फिर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इसी बीच 15 जुलाई 2026 को कर्क राशि में गुरु अस्त हो जाएंगे। इसके बाद 09 अगस्त को गुरु ग्रह उदित होंगे। इस गोचर का सबसे ज्यादा लाभ वृषभ, मिथुन, कर्क सहित 6 राशियों को मिल सकता है। इस दौरान करियर और पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव देखने को मिलेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि गुरु के गोचर से किन–किन राशियों को लाभ मिलने वाला है।

वृषभ राशिः वृषभ राशि के तृतीय भाव में गुरु का गोचर होगा। गुरु के प्रभाव से इस राशि के लोगों को अच्छा धन मिलेगा। लेकिन खर्चे भी ज्यादा रहने वाले हैं। आय अच्छी रहेगी और मांगलिक कार्यों में पैसा खर्च हो सकता है। भाई–बहनों की सेहत का ध्यान रखें। घरेलू उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। मिथुन राशिः मिथुन राशि के दूसरे भाव में गुरु गोचर होने वाला है। जब मिथुन राशि के जातकों की जान–पहचान प्रतिष्ठित लोगों के साथ होना चाहिए। यात्रा के भी योग बनेंगे। किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ कार्यों में पैसा खर्च हो सकता है। कर्क राशिः कर्क राशि के लग्न भाव में गुरु का गोचर हो रहा है। इससे हंस राजयोग का भी निर्माण हो रहा है। प्रतिष्ठित लोगों के साथ मेलजोल बढ़ेगा, आपके लिए यात्रा के लोग बन रहे हैं। इस दौरान आपको थोड़ी उलझन भी रह सकती है। हालांकि इस समय आपको थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। अच्छा धन लाभ और कार्यों में सफलता मिलेगी।

कन्या राशिः कन्या राशि के 11वें भाव में गुरु गोचर करेगा। इस राशि के लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है वहीं वाहन पर भी पैसा खर्च हो सकता है। भाग्य में उन्नति मिलने के योग हैं। कार्यों में आसानी से सफलता मिलेगी और अब किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। नौकरी की कोशिश कर रहे लोगों के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर राशिः मकर राशि के सप्तम भाव में गुरु का गोचर होने वाला है। इन लोगों को विघ्न के बाद भी कार्यों में आसानी से सफलता मिल सकती है। वहीं आपके सभी कार्य आसानी से पूरे होते चले जाएंगे। वहीं आपको भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा पर जा सकते हैं और यात्राओं से लाभ मिल सकता है। मीन राशिः इस राशि के लोगों के लिए गुरु का गोचर 5वें भाव में होने वाला है। गुरु के प्रभाव से इस राशि के जातकों को भूमि और वाहन का सुख मिल सकता है। वहीं स्टूडेंट्स के लिए यह समय सफलता दिलाने वाला रहेगा। वहीं जो लोग शादी का विचार कर रहे हैं, उनकी शादी के योग बनेंगे। आपकी प्रतिष्ठित लोगों से जान–पहचान बढ़ेगी। इससे लाभ और उन्नति के मौके प्राप्त होंगे।